

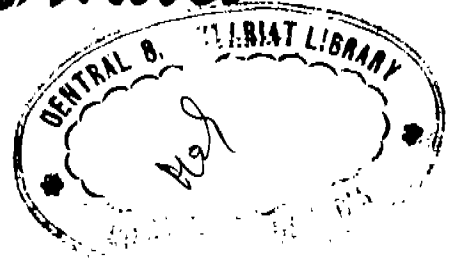


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं०. 532]

नई दिल्ली, बुधवार, दिसम्बर 27, 1995/अग्रहायण 6, 1917

No. 532] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 27, 1995/AGRAHAYANA 6, 1917

जल भूतल परिवहन मंत्रालय
(पोत परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर, 1995

सा. का. नि. 811(अ):—वाणिज्य पोत परिवहन (स्थोरा वहन) नियम, 1995 का एक प्रारूप, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 457 के साथ पठित धारा 330 की उपधारा (1) और उपधारा (2), धारा 331 और धारा 332 की उपधारा (5) की अपेक्षानुसार और वाणिज्य पोत परिवहन (खतरनाक माल वहन) नियम, 1978; वाणिज्य पोत परिवहन [डिके स्थोरा (इमारती लकड़ी में स्थोरा सहित)] नियम, 1980 और वाणिज्य पोत परिवहन (खाद्यान्न वहन) नियम, 1991 के अधिक्रमण में वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम की धारा 330 और 332 की अपेक्षानुसार, भारत के राजपत्र, भाग II, खण्ड 3, उपखण्ड (i), तारीख 16 जनवरी, 1995 में भारत सरकार की अधिसूचना सं. सा. का. नि. 43, तारीख 28 जनवरी, 1995 के अधीन उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी, प्रकाशित किया गया था, जिसमें उस तारीख से, जिसकी भारत के राजपत्र में यथा प्रकाशित अधिसूचना की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं, 30 दिन की अवधि तक उक्त प्रारूप नियमों की वास्तव आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे ;

और उक्त राजपत्र जनता को 28 जनवरी, 1995 को उपलब्ध करा दिया गया था;

और कोई आक्षेप या सुझाव प्राप्त नहीं हुए हैं ;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) की धारा 457 और धारा 458 के साथ पठित धारा 330, धारा 331 और धारा 332 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम, प्रारंभ, और लागू होना:—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम वाणिज्य पोत परिवहन (स्थोरा वहन), नियम 1995 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

(3) ये निम्नलिखित को लागू होंगे:—

(क) ऐसा प्रत्येक भारतीय पोत जो इन नियमों में विनिर्दिष्ट स्थोरा का कहीं भी वहन कर रहा है या करने वाला है, और

(ख) भारतीय पोत से भिन्न ऐसा प्रत्येक पोत जो इन नियमों में विनिर्दिष्ट स्थोरा का भारत के भाग या स्थानों में वहन कर रहा है या करने वाला है :

परन्तु यह कि जहां ऐसा स्थोरा का 500 टन सकल टन भार से न्यून के भारतीय पोत पर वहन किया जाना है, वहां, महानिदेशक, समुद्री यात्रा की प्रकृति और शर्तों को ध्यान में रखते हुए पोत की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य प्रभावी उपायों की अनुज्ञा दे सकेगा।

(4) ये नियम पोत के भंडार और उपस्कर के वहन को लागू नहीं होंगे।

2. परिभाषाएं:—इन नियमों में, जब तक संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

- (क) “अधिनियम” से वाणिज्य पोत परिवहन अधिनियम, 1958 (1958 का 44) अभिप्रेत है ;
- (ख) विभिन्न अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन संहिताओं में यथा उल्लिखित “प्रशासन” से महानिदेशक पोत परिवहन अभिप्रेत है ;
- (ग) “बी. सी. संहिता” से समय-समय पर यथा संशोधित अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा अंगीकृत किए गए ठोस प्रपुंज स्थोरा के लिए सुरक्षित पद्धति संहिता अभिप्रेत है ;
- (घ) “बी सी एच संहिता” से खतरनाक रसायनों का प्रपुंज में वहन करने वाले पोत के सनिर्माण और उपस्कर के लिए अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा 1 जुलाई, 1986 से पूर्व निर्मित पोतों के लिए अंगीकृत की गई समय-समय पर यथासंशोधित संहिता अभिप्रेत है ;
- (ङ) “स्थोरा एकक” से ऐसा यान, आधान, पलैट, पैलेट, वहनीय टंकी, पैक की गई एकक या कोई अन्य अस्तित्व और लदाई उपस्कर या उसका भाग जो पोत से संबंधित है किन्तु पोत में लगा नहीं है अभिप्रेत है ;
- (च) “स्थोरा भरण संहिता” से अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा स्थोरा भरण और सुरक्षा के लिए अंगीकृत की गई समय-समय पर यथा संशोधि सुरक्षित पद्धति संहिता अभिप्रेत है ;
- (छ) “रसायन टैंकर” से आई बी सी/बी सी एच संहिता में सूचीबद्ध खतरनाक तरल रसायनों के प्रपुंज में वहन के लिए सनिर्मित या अंगीकृत प्रयोग होने वाला कोई स्थोरा पोत अभिप्रेत है ;
- (ज) “मुख्य सर्वेक्षक” से पोत परिवहन महानिदेशालय में मुख्य सर्वेक्षक, भारत सरकार या उपमुख्य पोत सर्वेक्षक अभिप्रेत है ;
- (झ) “आधान” से ऐसी परिवहन उपस्कर सामग्री और पोत है,—
- (क) जो स्थायी प्रकृति की और तदनुसार बार-बार प्रयोग के लिए उपयुक्त रूप से पर्याप्त मजबूत हो,

(ख) जिसे माध्यक लदाई के बिना परिवहन के एक या अधिक साधनों द्वारा माध के परिवहन को सुकर बनाने के लिए विशेष रूप से डिजाइन किया हो—

(ग) जिसे सुरक्षित और/या आसानी से उठाई-धराई के लिए डिजाइन किया हो, जिसमें इन प्रयोजनों के लिए कोणों पर फिटिंग हो,

(घ) ऐसे आकार का हो जिसकी बाहरी कोणों की नली का क्षेत्र:

(1) कम से कम 14 वर्ग मीटर (150 बगफीट) ; या

(2) यदि इसमें सबसे ऊपर कोण में फिटिंग लगा हो तो कम से कम 7 वर्ग मीटर (75 वर्ग फीट) का हो,

(ङ) सुरक्षित आधानों के लिए अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन की अपेक्षाओं के अनुरूप हों। तथापि जब आधानों या “आधान” पद में न तो यान और न ही पैकेजिंग सम्मिलित है तथा आधान तब सम्मिलित है जब चेंमिस पर वहन किए जाते हैं ;

(ज) “खतरनाक स्थोरा” में विस्फोटक अधिनियम 1984 और अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक खतरनाक माल संहिता में यथा परिभाषित पैक किए गए विस्फोटक माल; और प्रपुंज में उपाय कर या खतरनाक रसायन, ठोस प्रपुंज स्थोरा, द्रवित गैस आई. एम. डी. जी. संहिता में सामुद्रिक प्रदूषक के रूप में पहचाने गए हानिकर पदार्थ सम्मिलित है डेक स्थोरा में इमारती लकड़ी और ऐसे अन्य स्थोरा सम्मिलित है जो अपनी प्राकृति के कारणों से माला या भरण साधनों से एकल रूप में या सामूहिक रूप में पोत पर या उसके नजदीक के व्यक्तियों के जीवन या स्वास्थ्य के लिए संकटापन्न होने का क्षयी है या पोत सुरक्षा को खतरे में डालने का क्षयी है ;

(ट) “खतरनाक माल” से पैक किए गए रूप में या ठोस में प्रपुंज में वहन किया जाने वाला खतरनाक स्थोरा अभिप्रेत है और जिसमें अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक खतरनाक माल संहिता में सामुद्रिक प्रदूषक के रूप में पहचान किया गया पदार्थ भी सम्मिलित है ;

(ठ) इन नियमों के संदर्भ में “दस्तावेज” में ऐसी सूचना जो इलैक्ट्रॉनिक आंकड़ा प्रसंस्करण (ई डी पी) के और कागजी पुलेखीकरण में सहायक के रूप में इलैक्ट्रॉनिकी आंकड़ा अतिहार (ई डी-आई) पारेषण तकनीक के माध्यम से दी जाती है, सम्मिलित है ;

- (ड) "गैस वाहक" से ऐसा सन्निमित्त या अंगीकृत किया गया स्थोरा पोत जिसका उपयोग किसी भी द्रवित गैस को प्रपुंज में बहन के लिए है या जो अंतरराष्ट्रीय सन्निर्माण और उपस्कर संहिता/पोत का सन्निर्माण और उपस्कर संहिता में सूचीबद्ध अन्य उत्पाद अभिप्रेत है ;
- (ढ) "गैस संहिता" से प्रपुंज में द्रवित गैस का बहन करने वाले और उसके उपस्कर के सन्निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठन द्वारा अंगीकृत समय-समय पर यथासंशोधित ऐसी संहिता अभिप्रेत है जो 31 दिसम्बर, 1976 को या उसके पश्चात्, किन्तु 1 जुलाई, 1986 से पूर्व सन्निमित्त पोतों को लागू होती है ।
- (ण) "अनाज" में गेहूं मक्का (कान) जई, राई, जौ, चावल, दाल, बीज और उनके प्रसंस्कृत रूप जिनका व्यवहार प्राकृतिक अवस्था के अनाज के समरूप है ;
- (त) "अनाज संहिता" से प्रपुंज में अनाजों के सुरक्षित बहन के लिए समय-समय पर यथासंशोधित अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा अंगीकृत की गई अंतरराष्ट्रीय संहिता अभिप्रेत है ;
- (थ) "आई. बी. सी. संहिता" से प्रपुंज में खतरनाक रसायनों का बहन करने वाले पोत और उसके उपस्कर के सन्निर्माण के लिए समय-समय पर यथासंशोधित रूप में अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा अंगीकृत की गई ऐसी अंतरराष्ट्रीय संहिता अभिप्रेत है जो 1 जुलाई, 1986 को या उसके पश्चात् सन्निमित्त पोतों को लागू होती है ;
- (द) "आई. जी. सी. संहिता" से प्रपुंज में द्रवित गैस बहन करने वाले पोत और उसके उपस्कर के सन्निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा अंगीकृत की गई समय-समय पर यथासंशोधित ऐसी अंतरराष्ट्रीय संहिता अभिप्रेत है जो 1 जुलाई, 1986 को या उसके पश्चात् सन्निमित्त पोतों को लागू होती है ।
- (ध) "आई. एम. डी. जी. संहिता" से अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा अंगीकृत की गई समय-समय पर यथासंशोधित अंतरराष्ट्रीय खतरनाक माल संहिता अभिप्रेत है ;
- (न) "द्रवित गैस" से ऐसी गैस अभिप्रेत है जो 37.8 डिग्री सें. ग्रेड तापमान पर 2.8 स्केल से अधिक वाष्प दाब पर निरपेक्ष हो और इसमें आई. जी. सी. संहिता में विहित अन्य उत्पाद भी सम्मिलित है ;
- (प) "मारपोल कन्वेंशन" से पोतों से प्रदूषण नियंत्रण के लिए प्रवृत्त अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन जिसमें अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा अंगीकृत इसका

समय-समय पर यथा संशोधित नवाचार भी सम्मिलित है, अभिप्रेत है ;

- (फ) "नौ सलाहकार" से भारत सरकार का नौ सलाहकार या पोत परिवहन महानिदेशालय में उप नौ सलाहकार अभिप्रेत है ;
- (ब) "अनुसूची" से इन नियमों की अनुसूची अभिप्रेत है ;
- (भ) "सोलास कन्वेंशन" से समुद्र में जीवन सुरक्षा के लिए प्रवृत्त अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन जिसमें अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा अंगीकृत इसका समय-समय पर यथा-संशोधित नवाचार भी सम्मिलित है ;
- (म) "इमारती लकड़ी संहिता" से अंतरराष्ट्रीय इमारती लकड़ी डाक स्थोरा का बहन करने वाले पोतों के लिए अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा अंगीकृत की गई संहिता समय-समय पर यथासंशोधित अभिप्रेत है ;
- (य) "इमारती लकड़ी डेक स्थोरा" से इमारती लकड़ी का डेक स्थोरा अभिप्रेत है ;
- (यक) "यून एक संख्यांक" से आई. एम. डी. जी. संहिता में किसी खतरनाक पदार्थ में समनुदेशित क्रम संख्यांक अभिप्रेत है ।

भाग 2

3. साधारण:

(1) प्रत्येक पोत जब प्रपुंज में ऐसे खतरनाक स्थोरा का बहन कर रहा हो जिसमें नशीली या ज्वलनशील गैस के उत्सर्जन या स्थोरा स्थान में आक्सीजन गैस की क्षीणता होने की संभावना हो तब उस पर वायु या ऐसे स्थान में गैस या आक्सीजन की सांद्रता की माप के लिए समुचित उपस्कर उपलब्ध कराया जाएगा। ऐसे प्रत्येक उपस्कर के साथ उसके उपयोग के लिए विस्तृत अनुदेश दिया जाएगा और ऐसे प्रत्येक पोत के कर्मादल को पोत पर उसके पहली बार कार्य संभालने के दो सप्ताह के भीतर ऐसे उपस्करों के उपयोग के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा ।

(2) प्रत्येक मास्टर जब स्थोरा या वास सुविधा स्थान के धूमोकरण के लिए नाशक जीवमार का उपयोग कर रहा हो तब पोत कर्मादल और धूमोकरण कार्य में लगे व्यक्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए समुचित पूर्वावधानियां बरतेगा ।

(3) इन नियमों के अधीन खतरनाक स्थोरा का लदान करने वाले प्रत्येक पोत पर पोत की मजबूती और विभिन्न मानक लदान अवस्था में स्थोरा के वितरण के बारे में व्यापक सूचना होगी । वाणिज्य पोत परिवहन (लदान) नियम, 1979 के अधीन उपलब्ध सूचना पर्याप्त समझी जाएगी ।

4. स्थोरा सूचना : (1) माल भेजने वाला, मास्टर या उसके प्रतिनिधि को स्थोरा पर लदान से पर्याप्त अग्रिम में उन पूर्वावधानियों के बारे में समुचित सूचना उपलब्ध कराएगा जो स्थोरा के समुचित नौभरण और सुरक्षित वहन करने के लिए प्रभावी करना आवश्यक हो। ऐसी सूचना की, पोत पर स्थोरा की लदान से पूर्व लिखित में और समुचित पोत परिवहन दस्तावेजों द्वारा पुष्टि की जाएगी।

(2) स्थोरा सूचना में निम्नलिखित सम्मिलित होगा:—

(क) साधारण स्थोरा की दशा में, और स्थोरा एककों में वहन किए गए स्थोरा के बारे में, स्थोरा का साधारण वर्णन, स्थोरा या स्थोरा एकक का सकल परिमाण और स्थोरा का कोई विशेष सुसंगत गुणधर्म ;

(ख) प्रपुंज स्थोरा की दशा में, स्थोरा के नौभरण तत्व की सूचना कतरन, प्रक्रिया, और सान्द्रण तथा अन्य स्थोरा की दशा में जो द्रवित हो सकता है स्थोरा की आद्रता धारिता और इसकी परिवहनीय आद्रता सीमा के बारे में प्रमाणपत्र के प्ररूप में अतिरिक्त सूचना,

(ग) ऐसे प्रपुंज स्थोरा के बारे में जिसे नियम 10 के उप-नियम (1) के उपबंधों के अनुसार वर्गीकृत नहीं किया गया किन्तु जिसमें ऐसी रासायनिक गुणधर्मिता है जिससे संभाव्य परिसंकट उत्पन्न हो सकता है इस नियम द्वारा अपेक्षित सूचना के अतिरिक्त इसकी रासायनिक गुणधर्मिता की सूचना ;

(3) पोत के फलक पर स्थोरा एकक की लदाई करने से पूर्व, माल भेजने वाला यह सुनिश्चित करेगा कि ऐसे एकक का सकल परिमाण परिवहन दस्तावेज में घोषित सकल परिमाण के अनुसार है।

5. अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन संहिता—प्रत्येक पोत को फलक पर वहन किए जाने के लिए आशयित विशिष्ट स्थोरा से संबंधित इन नियमों में निर्दिष्ट और अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा अंगीकृत समुचित संहिता उपलब्ध कराई जाएगी।

6. नौभरण और प्राप्त करना—पोत के फलक पर किसी स्थोरा के नौभरण और उसको प्राप्त करते समय मास्टर स्थोरा नौभरण संहिता में विनिर्दिष्ट उपबंधों का पालन करेगा और विशिष्ट रूप से यह सुनिश्चित करेगा कि :

(1) डाक पर या उसके नीचे वहन किया जाने वाला स्थोरा या स्थोरा एकक की लदाई नौभरण और प्राप्ति इस प्रकार की जाएगी कि यथासाध्य पूरा समुद्री यात्रा के दौरान पोत को और फलक पर के व्यक्तियों को होने वाले नुकसान या परिसंकट को और फलक पर के स्थोरा को हानि से निवारित किया जा सके।

(2) स्थोरा एकक में वहन किया जाने वाला स्थोरा, एकक के भीतर इस प्रकार पैक और प्राप्त किया जाएगा कि

पूरी समुद्री यात्रा के दौरान पोत की और पोत फलक पर के व्यक्तियों को होने वाला नुकसान या परिसंकट को निवारित किया जा सके।

(3) पोत को संरचनात्मक नुकसान न होने देने को सुनिश्चित करने और पूरी समुद्री यात्रा के दौरान पर्याप्त मजबूती बनाए रखने सुनिश्चित करने के लिए भारी स्थोरा या आसामान्य भौतिक आकार वाले स्थोरा की लदाई और परिवहन के दौरान पर्याप्त पूर्वावधानियां बरती जाती हैं।

(4) रो-रो पोतों के फलक पर या पोत पर स्थोरा एककों की लदाई और परिवहन के दौरान विशेषकर ऐसे पोतों के फलक पर प्रतिग्राह्य व्यवस्था और स्थोरा एककों तथा प्रतिग्राह्य बिन्दु और रस्सियों की मजबूती के संबंध में समुचित पूर्वावधानियां बरती जाती हैं।

(5) सुरक्षित आधानों के लिए अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन (सीएससी) के अधीन उस पर लगाई गई सुरक्षा अनुमोदन प्लेट पर उपदर्शित अधिकतम सकल भार से अधिक भार की आधानों पर लदाई नहीं की जाती है।

(6) ऐसे किसी पोत पर जो स्थोरा नौभरण संहिता के अंतर्गत आने वाले स्थोरा एककों और अन्य तत्वों को ले जा रहा है, नौ सलाहकार द्वारा सम्यक् रूप से अनुमोदित स्थोरा प्रतिग्राह्य निर्देशिका साथ जाएगी।

(7) खतरनाक स्थोरा वाली घटनाओं की रिपोर्ट करना :—

(1) जब कोई ऐसी घटना घटती है जिसमें फलक पर खतरनाक स्थोरा जिसमें पैक किया खतरनाक माल, प्रपुंज में खतरनाक स्थोरा की हानि या हानि होने की संभावना तब है मास्टर या ऐसे अन्य व्यक्तियों को जो पोत का भार-साधक है, ऐसी घटना को विशिष्टियों की अविलम्ब और जहां तक सम्भव हो पूरे विस्तार से तटीय राज्य को रिपोर्ट करेगा। रिपोर्ट, अंतरराष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा अनुमोदित पोत रिपोर्ट प्रणाली के सामान्य सिद्धांत और पोत रिपोर्ट करने की अपेक्षाओं जिसमें खतरनाक माल, हानिकार पदार्थ और/या सामुद्रिक प्रदूषण की घटना सम्मिलित है, पर आधारित होगी।

(2) उप नियम (1) में निर्दिष्ट ऐसे पोत की दशा में जो परिव्यक्त है या ऐसे पोत से रिपोर्ट की दशा में जो अपूर्ण या अप्राप्य है पोत का स्वामी, चार्टरकर्ता, प्रबंधक या प्रचालक या उसके अधिकर्ता यथासंभव पूरे विस्तार से इन नियमों के अधीन मास्टर पर सौंपी गई बाध्यताओं को संभालेगा।

(3) प्रत्येक ऐसा पोत जो खतरनाक स्थोरा का वहन कर रहा है खतरनाक मालों का वहन करने वाले पोत के लिए आपातकालीन प्रक्रिया के अनुपालन में विशेष आपातकालीन उपकरण जिसमें आई.एम.डी.जी. संहिता की अनुसूची में यथाविनिर्दिष्ट (आपात-अनुसूची) सुरक्षात्मक पहनावा भी सम्मिलित है, का वहन करेगा। ऐसे सुरक्षात्मक पहनावे

और उपकरण फलक पर स्थोरा का वहन या लदाई या उतराई किए जाने तक तैयार रखा जाएगा। प्रत्येक पोत का मास्टर यह मुनिष्वित करेगा कि कर्मियों ऐसे उपकरणों के उपयोग से सुपरिचित है।

(4) प्रत्येक ऐसी घटना में जिसमें खतरनाक माल अंतर्बलित है, मास्टर अंतर्राष्ट्रीय सामुद्रिक संगठन द्वारा अंगीकृत पोत के लिए, अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा मार्गदर्शन, आई.एम.डी.जी. संहिता के उपाबद्ध खतरनाक माल अंतर्बलित घटना के लिए प्राथमिक चिकित्सा मार्गदर्शन और वाणिज्य पोत परिवहन (औषध वहन) नियम में विनिर्दिष्ट औषधियों की सूची द्वारा मार्गदर्शन प्राप्त करेगा।

भाग-3

8. लागू होना :- यह भाग निम्नलिखित के वहन को लागू होता है, अर्थात् :-

- (i) पैकेज रूप में खतरनाक माल,
- (ii) ठोस प्रपुंज स्थोराओं और
- (iii) डेक स्थोरा जिनमें इमारती लकड़ी डेक स्थोरा, सम्मिलित है।

9. पैकेज रूप में खतरनाक माल—(1) जब तक कि अभिव्यक्त रूप से अन्यथा उपबंधित न हो, नियम 10 के उपनियम (1) में यथा वर्गीकृत पैकेज रूप में खतरनाक माल से जाने वाला प्रत्येक पोत, आई.एस.डी.जी. संहिता की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

(2) 1 जुलाई, 1986 के पश्चात निर्मित प्रत्येक ऐसा पोत इसके अतिरिक्त, पहली अनुसूची की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा और ऐसा अनुपालन करने पर दूसरी अनुसूची में यथा विहित प्रधान अधिकारी द्वारा एक अनुपालन दस्तावेज जारी किया जाएगा।

(3) ऐसा अनुपालन प्रमाणपत्र जारी करने की तारीख से 5 वर्ष की अवधि के लिए या ऐसी अल्पावधि के लिए जो प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट की जाए, प्रदत्त होगा।

10. वर्गीकरण, पहचान और प्रलेखीकरण—(1) इन नियमों के प्रयोजनार्थ खतरनाक माल को निम्नलिखित रूप में वर्गीकरण किया जाएगा।

वर्ग 1	विस्फोटक
वर्ग 2	घसें सपीड़ित, द्रवित या बाव पर विलीन
वर्ग 3	ज्वलनशील/द्रव
वर्ग 4	ज्वलनशील/ठोस
वर्ग 4.2	ऐसे पदार्थ जो स्वतः दहन हो सकते हैं
वर्ग 4.3	ऐसे पदार्थ, जो, जल के रूपक से ज्वलनशील गैस का उत्सर्जन करते हैं।
वर्ग 5.1	आक्सीकारक पदार्थ
वर्ग 5.2	कार्बनिक पराकसाइड
वर्ग 6.1	विषाक्त (विषैले) पदार्थ

वर्ग 6.2	संक्रामक पदार्थ
वर्ग 7	रेडियो ऐक्टिव पदार्थ
वर्ग 8	संक्षारक
वर्ग 9	प्रकीर्ण खतरनाक पदार्थ अर्थात् ऐसा अन्य पदार्थ जिसके बारे में अनुभव से यह दर्शित हुआ है या दर्शित हो सकता है कि वह इतनी खतरनाक प्रकृति का है कि इस भाग के उपबन्ध उसे लागू होंगे।

(2) समुद्री मार्ग द्वारा खतरनाक माल के वहन से संबंधित सभी दस्तावेजों में जहां माल का नाम दिया जाता है माल का सही तकनीकी नाम और आई.एम.डी.जी. संहिता में उसे आबद्धित यू.एन.संख्यांक का प्रयोग किया जाएगा (केवल व्यवसाय नाम का प्रयोग नहीं किया जाएगा) और उप नियम (1) में उपवर्णित वर्गीकरण के अनुसार सही विवरण दिया जाएगा। समुद्री प्रदूषक के रूप में परिलक्षित उपहानिकर पदार्थों की दशा में, दस्तावेजों में समुद्री प्रदूषक शब्दों को जोड़ कर पदार्थ को और परिलक्षित किया जाएगा।

(3) माल भेजने वाले द्वारा तैयार किए गए पोत परिवहन दस्तावेजों में, तीसरी अनुसूची में विनिर्दिष्ट प्ररूप में यह उपदर्शित करते हुए एक हस्ताक्षरित घोषणा होगी या उसके साथ लगाई जाएगी कि वहन के लिए प्रस्तुत किया गया माल समुचित रूप से पैक किया हुआ और चिन्हित, लेबल या प्लेकार्ड लगा हुआ है और वह वहन के लिए उचित दशा में है और जहां लागू हो, समुद्री पर्यावरण के परिसंकट को कम करने के लिए है।

(4) किसी भाड़ा आधान या सड़क यान में खतरनाक माल को पैक करने के लिए उत्तरदायी व्यक्ति एक हस्ताक्षरित आधान पैकिंग घोषणा या यान पैकिंग घोषणा यह कथन करते हुए करेंगे कि एकक में स्थोरा को समुचित रूप से पैक और सुरक्षित किया गया है और यह कि सभी लागू परिवहन अपेक्षाएं पूरी कर दी गई हैं। ऐसा प्रमाणपत्र, इस नियम के उपनियम (3) में विनिर्दिष्ट दस्तावेज के साथ जोड़ा जा सकता है।

(5) जहां, संदेह करने का सम्पर्क हेतुक हो, अर्थात् ऐसा भाड़ा आधान या सड़क यान, जिसमें खतरनाक माल पैक किया गया है, उपनियम (2) या उपनियम (3) की अपेक्षाओं के अनुपालन में नहीं है या जहां आधान पैकिंग प्रमाणपत्र या यान पैकिंग घोषणा उपलब्ध नहीं है, वहां भाड़ा आधान या यान लदाई के लिए स्वीकार नहीं किया जाएगा।

(6) खतरनाक माल का वहन करने वाले प्रत्येक पोत में एक विशेष सूची या माल सूची होगी जिसमें इस नियम के उपनियम (1) में उपवर्णित वर्गीकरण के अनुसार फलक पर के खतरनाक माल और उनका अवस्थान उवर्णित हो। ऐसी विशेष सूची या माल सूची के स्थान पर एक ऐसी व्योरे-वार भरण व्यवस्था का, जो फलक पर के सभी खतरनाक

माल को वर्ग द्वारा परिलक्षित करती है और उनके अवस्थान को उपवर्णित करती है, प्रयोग किया जा सकेगा। प्रत्येक दशा में समुद्री प्रदूषक के रूप में परिलक्षित अपहानिकर पदार्थों और अन्य खतरनाक माल के बीच स्पष्ट विभेद किया जाएगा। इन दस्तावेजों में से एक दस्तावेज की एक प्रति प्रस्थान करने से पूर्व भारत में वाणिज्यिक समुद्री विभाग या किसी व्यक्ति या पतन राज्य प्राधिकारी द्वारा भारत के बाहर किसी पतन में अभिहित किसी संगठन, यदि कोई हो, को प्रस्तुत की जाएगी।

11. पैकेजिंग, चिन्हांकन लेबल लगाना और प्लेकार्ड लगाना—

(1) खतरनाक माल की पैकेजिंग।

(क) अच्छी तरह से तथा अच्छी हालत में की जाएगी;

(ख) इस स्वरूप की होगी कि उसकी कोई आंतरिक सतह, जिसके संपर्क में अन्तर्वस्तु आ सके, वहन किए जा रहे पदार्थ द्वारा खतरनाक ढंग से प्रमाणित न हों, और

(ग) समुद्र मार्ग द्वारा वहन किए जाने और हैंडलिंग के साधारण जोखिम का मुकाबला करने में समर्थ हो।

(2) जहां द्रवों को पात्रों में पैकेजिंग करने के लिए अवशोषक या गद्दीदार सामग्री का प्रयोग करना प्रचलित हो, यहां वह सामग्री :

(क) ऐसी होगी जो ऐसे खतरों को कम करने में समर्थ हो जो द्रव द्वारा उत्पन्न हो सकें,

(ख) इस प्रकार रखी जाएगी जिसने उसका संचलन रोका जा सके और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पात्र धिरा रहे, और

(ग) जहां युक्तियुक्त रूप से संभव हो, इतनी पर्याप्त मात्रा में होगी कि पात्र के टूट जाने की दशा में द्रव को सोख सकें।

(3) ऐसे पात्रों में, जिनमें खतरनाक माल है, भरण तापमान पर एक नोटक रिकित होगी जो सामान्य वहन के दौरान उच्चतम तापमान का सामना करने के लिए पर्याप्त होगी।

(4) ऐसे पैकेजों पर, जिनमें खतरनाक माल हो, वही तकनीकी नाम स्थायी रूप से चिन्हांकित किया जाएगा, केवल व्यापार नाम का प्रयोग नहीं किया जाएगा।

(5) ऐसे पैकेजों पर, जिनमें खतरनाक माल हो, सुभिन्न लेबलों के स्टेंसिल या प्लेकार्ड, जो भी उचित हों, लगाए जाएंगे, जिससे कि उसमें अंतर्विष्ट माल की खतरनाक विशेषताएं स्पष्ट हो सकें।

(6) खतरनाक माल से युक्त पैकेजों पर सही तकनीकी नाम चिन्हित करने और लेबल चिपकाने या लेबलों के स्टेंसिल लगाने या प्लेकार्ड लगाने की पद्धति ऐसी होगी कि यह

जानवारी पैकेजों पर समुद्र में कम से कम तीन मास के निमज्जन के पश्चात् भी परिलक्षित होती रहे। उपयुक्त चिन्हांकन लेबल लगाने और प्लेकार्ड लगाने की पद्धतियों पर विचार करते समय प्रयुक्त सामग्री के टिकाऊ पर और पैकेज की सतह का ध्यान रखा जाएगा।

(7) खतरनाक माल से युक्त पैकेज इस नियम में यथाविवर्तिर्दिष्ट रूप में सचिन्हांकित किए जाएंगे या उन पर लेबल लगाए जाएंगे परन्तु नौ सलाहकार निम्नलिखित को चिन्हांकन की अपेक्षा से छूट दे सकेगा :

1. कम परिसंकट वाले खतरनाक माल से युक्त पैकेज या मात्रा में खतरनाक माल से युक्त पैकेज या,

2. ऐसे पैकेज, जो ऐसे एककों में भरे और हैंडल किए जाते हैं, जो लेबलों या प्लेकार्ड से पहचाने जाते हैं।

12. भरण अपेक्षाएं :— (1) खतरनाक माल का भरण माल की प्रकृति के अनुसार सुरक्षित रूप से और समुचित रूप से किया जाएगा। असंगत माल को एक दूसरे से अलग रखा जाएगा।

(2) ऐसे विस्फोटक (गोला-बारूद के सिवाय), जो गंभीर जोखिम उत्पन्न करते हैं, ऐसे मैगजीन में भारित किए जाएंगे जो समुद्र मार्ग द्वारा ले जाते समय सुरक्षित रूप से बंद रखा जाएगा। ऐसे विस्फोटकों को विस्फोट प्रेरकों से पृथक् रखा जाएगा। किसी भी कम्पार्टमेंट में, जिसमें विस्फोटकों का वहन किया जा रहा हो, विद्युत साधन तथा केवल इस प्रकार व्यवस्थित और प्रयुक्त किए जाएंगे कि अग्नि या विस्फोट का जोखिम कम रहे।

(3) पैकेज किए गए खतरनाक माल, जो खतरनाक वाष्प निकालते हैं, यांत्रिक रूप में संचालित स्थान या डेक पर भारित किए जाएंगे। प्रपुंज में ऐसे ठोस खतरनाक माल जो खतरनाक वाष्प निकालते हैं, मुसंवातित स्थानों पर भारित किए जाते हैं।

(4) ज्वलनशील द्रवों या गैसों का वहन करने वाले पोतों में जहां आवश्यक हो, वहां अग्नि या विस्फोट से बचने की विशेष पूर्वावधानियां बरती जाएंगी।

(5) ऐसे पदार्थों का, जो स्वतः तप्त या दहन योग्य हों, तब तक वहन नहीं किया जाएगा जब तक आग लगने की संभाव्यता को कम करने की पर्याप्त पूर्वावधानियां न बरती गई हों।

(6) समुद्री प्रदूषकों के रूप में परिलक्षित अपहानिकर पदार्थों को उचित रूप से भारित और सुरक्षित किया जाएगा जिससे कि समुद्री पर्यावरण के परिसंकट को कम किया जा सके। ऐसे पदार्थों का पैकेज के रूप में अवभारण और ऐसे पदार्थ के किसी शरण को फलक पर धोना वहां के सिवाय जहां पोत की सुरक्षा सुनिश्चित करने या समुद्र में प्राण रक्षा के प्रयोजन के लिए आवश्यक हो, प्रतिसिद्ध है।

13. विस्फोटकों का वहन :-

(1) इस नियम में विनिर्दिष्ट विस्फोटकों और संगत समूहों के खण्डों के वही अर्थ हैं जो आई.एम.डी.जी. संहिता में हैं।

(2) आई.एम.डी.जी. संहिता के खंड 1.4 और संगत समूहों के विस्फोटकों का किसी भी मात्रा में यात्री पोतों में वहन किया जा सकेगा। निम्नलिखित में से किसी एक विस्फोटक के सिवाय, किसी अन्य विस्फोटक का वहन नहीं किया जाएगा :

- (i) प्राण-रक्षा प्रयोजनों के लिए विस्फोटक वस्तुएं यदि ऐसी वस्तुओं का कुल शुद्ध विस्फोटक द्रव्यमान 50 कि.ग्रा. प्रति पोत से अधिक नहीं है,
- (ii) संगत समूह ग, घ और ङ में के विस्फोटक, यदि कुल शुद्ध विस्फोटक द्रव्यमान 10 कि.ग्रा. प्रति पोत से अधिक नहीं है, या
- (iii) संगत समूह छ में विशेष भारण को अपेक्षा करने वाली विस्फोटक वस्तुओं से भिन्न विस्फोटक वस्तुएं यदि कुल शुद्ध विस्फोटक द्रव्यमान 10 कि.ग्रा. प्रति पोत से अधिक नहीं है ; या
- (iv) संगत समूह "ख" में की विस्फोटक वस्तुएं, यदि कुल शुद्ध विस्फोटक वस्तुएं, यदि कुल शुद्ध विस्फोटक द्रव्यमान 5 कि.ग्रा. प्रति पोत से अधिक नहीं है।

(3) इस नियम के उपनियम (2) के उपबंधों में किसी बात के होते हुए भी विस्फोटकों की अतिरिक्त मात्रा या उनके प्रकार का ऐसे यात्री पोतों में वहन किया जा सकेगा जिनमें नौ-सलाहकार द्वारा अनुमोदित विशेष सुरक्षा उपाय किए गये हैं।

14. खाद्यान्न से भिन्न ठोस खुले स्थोरा का वहन :-

(1) खाद्यान्न से भिन्न ठोस खुले स्थोरा का भारण करने वाला प्रत्येक पोत बी.सी.संहिता की साधारण अपेक्षाओं और उस संहिता के परिशिष्ट क, ख और ग में विनिर्दिष्ट विशिष्ट अपेक्षा या पूर्वावधानियों का अनुपालन करेगा।

(2) खुले स्थोरा युक्तियुक्त रूप से यथावश्यक स्तर पर स्थोरा के खाली स्थान की सीमाओं तक लादे और समां-कृतिक किए जाएंगे जिससे स्थानांतरण के जोखिम को कम किया जा सके और पूरी यात्रा के दौरान पर्याप्त स्थिरता बनाई रखी जा सके।

(3) जब खुला स्थोरा "ट्वीन टैको" में वहन किए जाएं तब ऐसे "ट्वीन टैको" के विपात द्वारा ऐसे मानकों में बंद कर दिए जाएंगे जहां लदाई-उतराई जानकारी सबसे निचली संरचना पर दबाव का अस्वीकार्य स्तर उपदर्शित करती है, यदि विपात द्वारा खुले छोड़ दिए जाएं। स्थोरा का युक्तियुक्त स्तर तक समांकृतिक किया जाएगा और यह या तो एक और से दूसरी और तक किया जाएगा या उसे

पर्याप्त क्षमता वाले अतिरिक्त अनुदैर्घ्य विभाजनों द्वारा सुरक्षित किया जाएगा। "ट्वीन टैको" की सुरक्षित भारवहन क्षमता का यह गुनिश्चित करने के लिए अनुपालन किया जाएगा कि डैक संरचना की भाराई अधिक न हो।

(4) सांद्र या अन्य स्थोरा, जो द्रवित हो सकते हैं, लदाई के लिए केवल तभी स्वीकार किए जाएंगे जब कि स्थोरा की वास्तविक आद्रता अंतर्वस्तु, उसकी परिवहन योग्य आद्रता सीमा से कम हो। परन्तु ऐसे सांद्र और अन्य स्थोरा तब भी लदाई के लिए स्वीकार किए जा सकेंगे जब उनकी आद्रता अंतर्वस्तु ऊपरी सीमा से अधिक है, यदि सुरक्षा प्रबंध, जिनके अंतर्गत स्थोरा के किसी कल्पित स्थानांतरण की दशा में पर्याप्त स्थिरता और पर्याप्त संरचनात्मक समग्रता भी है, नौ-सलाहकार के समाधानप्रद रूप में किए गए हों।

(5) किसी ऐसे खुला स्थोरा की लदाई से पूर्व, जो नियम 10 के उपनियम (1) के उपबंधों के अनुसार वर्गीकृत कोई स्थोरा नहीं है किन्तु जिसमें ऐसे रासायनिक गुण हैं जो संभाव्य परिसंकट उत्पन्न कर सकते हैं, उसके सुरक्षित वहन के लिए विशेष पूर्वावधानियां बरती जाएंगी।

(6) बी.सी. संहिता के परिशिष्ट क, ख और ग में विनिर्दिष्ट स्थोरा का वहन करने वाले प्रत्येक पोत को द्वितीय अनुसूची में यथा विनिर्दिष्ट अनुपालन प्रमाण-पत्र जारी किया जाएगा। ऐसा प्रमाण-पत्र केवल तभी जारी किया जाएगा जब ऐसे पोत ने इन नियमों और बी.सी. संहिता की अपेक्षाओं का अनुपालन कर लिया हो।

(7) उपनियम (6) में निर्दिष्ट ऐसा अनुपालन प्रमाण-पत्र जारी करने की तारीख से 5 वर्ष की अवधि या ऐसी अल्पावधि के लिए जो प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट की जाए, प्रवृत्त रहेगा।

15. डैक स्थोरा, जिसके अंतर्गत इमारती लकड़ी डैक स्थोरा भी है, का वहन :-

(1) जब स्थोरा डैक पर वहन किए जाते हैं तब मास्टर इन नियमों के नियम 6 के उपबंधों का अनुपालन करेगा :

(2) इमारती लकड़ी डैक स्थोरा का वहन करने वाला प्रत्येक जलयान इमारती लकड़ी कोड के उपबंधों और वाणि-ज्यिक पोत परिवहन (भार रेखा) नियम, 1978 की अपेक्षाओं का अनुपालन करेगा।

भाग-4

16. लागू होना :- यह भाग थोक में खाद्यान्न के वहन को लागू होता है।

17. खाद्यान्न का वहन :- (1) खाद्यान्न का वहन करने वाला प्रत्येक पोत खाद्यान्न संहिता की अपेक्षा का अनु-पालन करेगा।

(2) प्रत्येक ऐसा पोत तब तक खाद्यान्न का भारण नहीं करेगा, जब तक :—

- (क) पोत में खाद्यान्न संहिता द्वारा यथापेक्षित मुख्य सर्वेक्षक द्वारा सम्यक रूप से जारी किया गया प्राधिकार दस्तावेज न हो।
- (ख) ऐसे पोत का मास्टर, मुख्य सर्वेक्षक या लदान पत्तन पर मुख्य सर्वेक्षक द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य प्राधिकारी का यह समाधान कर देता है कि पोत खाद्यान्न संहिता की अपेक्षाओं का उसकी प्रस्तावित लदान दशा में अनुपालन करेगा।

भाग—5

18. लागू होना : यह भाग—

- (क) द्रवित गैसों, और
- (ख) थोक खतरनाक या अपायकर द्रव पदार्थों को लागू होता है।

19. खतरनाक द्रव रसायनों का थोक वहन :—(1) खतरनाक या अपायकर द्रव पदार्थों का :—

- (क) 1 जुलाई, 1986 को या उसके पश्चात् सन्निर्मात रसायन टैंकों के लिये आई.बी.सी. संहिता या
- (ख) अन्य सभी रसायन टैंकों के लिये बी.सी.एच. संहिता का अपेक्षाओं के अनुसार थोक में वहन किया जायेगा।

(2) प्रत्येक ऐसा रसायन टैंकर, उसके सन्निर्माण की तारीख को विचार में लाये बिना, जिसे खतरनाक या अपायकर द्रव पदार्थों के वहन के लिये संपरिवर्तित या अनुकूलित दिया गया है, उस तारीख को, जब ऐसा संपरिवर्तन प्रारम्भ हुआ सन्निर्माण रसायन टैंकर माना जायेगा।

(3) प्रत्येक रसायन टैंकर को, अधिनियम की धारा 299क, धारा 300, धारा 301 और धारा 316 में विनिर्दिष्ट प्रमाणपत्रों के अतिरिक्त :—

- (क) ऐसे रसायन टैंकर का आई.बी.सी. संहिता में यथा-विनिर्दिष्ट सर्वेक्षण किये जाने के पश्चात् चौथी अनुसूची में विनिर्दिष्ट खतरनाक रसायनों के थोक वहन के लिये अंतर्राष्ट्रीय उपयुक्तता प्रमाण-पत्र, या
- (ख) ऐसे रसायन टैंकर का बी.सी.एच. संहिता में यथा-विनिर्दिष्ट सर्वेक्षण किये जाने के पश्चात् चौथी अनुसूची में यथा-विनिर्दिष्ट खतरनाक रसायनों के थोक वहन के लिये उपयुक्तता प्रमाण-पत्र जारी किया जायेगा।

(4) उपनियम (3) में निर्दिष्ट उपयुक्तता प्रमाण-पत्र जारी किये जाने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिये या ऐसी लघुतर अवधि के लिये, जो प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट की जाये, प्रवृत्त रहेगा।

25. द्रवित गैसों का थोक वहन :—(1) खतरनाक अपायकर द्रव पदार्थों का थोक में :

- (क) 1 जुलाई, 1986 को या उसके पश्चात् सन्निर्मात रसायन टैंकों के लिये आई.जी.सी. संहिता, या
- (ख) अन्य सभी रसायन टैंकों के लिये गैस संहिता की अपेक्षाओं के अनुसार वहन किया जायेगा।

(2) प्रत्येक ऐसा गैस वाहक, उसके सन्निर्माण की तारीख को विचार में लाये बिना, जिसे द्रवित गैस के वहन के लिये संपरिवर्तित या अनुकूलित किया गया है, उस तारीख को जिसको ऐसा संपरिवर्तन प्रारम्भ हुआ, सन्निर्माण गैस वाहक माना जायेगा।

(3) प्रत्येक गैस वाहक को, अधिनियम की धारा 299क, धारा 300, धारा 301 और धारा 316 में विनिर्दिष्ट प्रमाणपत्रों के अतिरिक्त :—

- (क) ऐसे गैस वाहक को आई.जी.सी. संहिता में यथा-विनिर्दिष्ट सर्वेक्षण किये जाने के पश्चात् छठी अनुसूची में यथा-विनिर्दिष्ट द्रवित गैसों के थोक वहन के लिये अंतर्राष्ट्रीय उपयुक्तता प्रमाणपत्र, या
- (ख) ऐसे गैस वाहक का, गैस संहिता में यथा-विनिर्दिष्ट सर्वेक्षण किये जाने के पश्चात् सातवीं अनुसूची में यथा-विनिर्दिष्ट द्रवित गैसों के थोक वहन के लिये उपयुक्तता प्रमाण-पत्र, जारी किया जायेगा।

(4) उपनियम (3) में निर्दिष्ट प्रत्येक उपयुक्तता प्रमाणपत्र जारी किये जाने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिये या ऐसी लघुतर अवधि के लिये जो प्रमाणपत्र में विनिर्दिष्ट की जाये, प्रवृत्त रहेगा।

भाग—6

प्रकीर्ण

21. (1) महानिदेशक द्वारा उस देश की सरकार को जिसको सुरक्षा कन्वेंशन लागू होता है इन नियमों में विनिर्दिष्ट योग्यता प्रमाणपत्र जारी करने के लिये अनुरोध कर सकता है। ऐसे अनुरोध के अनुसरण में जारी और इस कथन वाले प्रमाणपत्र का, कि इसे भारत सरकार की और इस प्रकार जारी किया जाता है, वही प्रभाव होगा जैसा केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किये गये प्रमाणपत्र का प्रभाव होगा।

(2) महानिदेशक, उस देश की सरकार के अनुरोध पर, जिसको सुरक्षा कन्वेंशन लागू होती है उस देश में रजिस्ट्रीकृत पोत के बाबत जारी किया जाने वाला समुचित योग्यता प्रमाणपत्र जारी करवायेगा यदि वह समाधान है कि भारतीय पोत की दशा में ऐसा प्रमाणपत्र समुचित रूप से जारी किया जा सकता है और जहां ऐसे अनुरोध पर ऐसा प्रमाणपत्र जारी किया जाता है उसमें ऐसा कथन होगा कि इसे इस प्रकार जारी किया गया है।

22. (1) महानिदेशक, अधिनियम की धारा 7 के अधीन किसी पोत में नियुक्त किये गये सर्वेक्षकों के अतिरिक्त किसी व्यक्ति या व्यक्ति निकाय जिसे इसमें इसके पश्चात् सर्वेक्षक कहा गया है, निरीक्षण करने के प्रयोजन के लिये यह देखने के लिये प्राधिकृत कर सकेगा कि खतरनाक स्थोरा पर लेबल, पैक, चिन्हांकन और लदाई इन नियमों के अनुसरण में की गई है।

(2) यदि ऐसा सर्वेक्षक यह पाता है कि खतरनाक स्थोरा को लेबल, पैक चिन्हांकित या लदाई इन नियमों के अनुसरण में नहीं की गई है या खतरनाक स्थोरा ऐसी दशाओं से है कि पोत की सुरक्षा और बोर्ड पर व्यक्तियों के जीवन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना है, वह कमियों को बताते हुए यह भी बतायेगा कि उसके उपचार के लिये उसकी राय में क्या अपेक्षित है, एक नोटिस जारी करेगा।

(3) ऐसी प्रत्येक नोटिस को उस पत्तन के सीमा-शुल्क कलक्टर की संसूचित किया जायेगा जिससे पोत को पत्तन निकासी अभिप्राप्त करना आशयित हो सकता है। ऐसा सीमा-शुल्क कलक्टर जिसे ऐसी संसूचना दी जाती है, ऐसे पोत को पत्तन निकासी प्रदान नहीं करेगा। पोत को तब तक निरुद्ध रखा जायेगा जब तक ऐसे सर्वेक्षक द्वारा हस्ताक्षरित इस प्रभाव का एक प्रमाणपत्र कि खतरनाक स्थोरा के लेबल और चिन्हांकित इन नियमों के अनुसरण में की गई है।

23. शास्त्रियां :—किसी पोत का प्रत्येक स्वामी मास्टर या अभिकर्ता—

(क) जो खतरनाक माल का वहन करने के संबंध में इन नियमों के किसी उपबन्ध का उल्लंघन करता है या उनके किन्हीं उपबन्धों का अनुपालन करने में असफल रहता है जिनका अनुपालन करना उसका कर्तव्य है कारावास से, जो दो वर्ष तक का हो सकेगा या जुर्माने से जो दस हजार रुपये तक का हो सकेगा अथवा दोनों से दंडनीय होगा और यदि अपराध जारी रहता है तो पहले अपराध के पश्चात् उल्लंघन जारी रहने की अवधि के दौरान, और जुर्माने से जो प्रत्येक दिन के लिये पचास रुपये तक का हो सकेगा, दंडनीय होगा।

(ख) जो इन नियमों के किसी अन्य उपबन्ध का उल्लंघन करता है जुर्माने से जो एक हजार रुपये तक का हो सकेगा दंडनीय होगा और यदि अपराध जारी रहता है तो पहले यंत्र के पश्चात् जब उल्लंघन जारी रहने की अवधि के दौरान और जुर्माने से जो प्रत्येक दिन के लिये 50 रुपये तक का हो सकेगा दंडनीय होगा।

पहली अनुसूची

[नियम 9 (2) देखिए]

खतरनाक माल का वहन करने वाले पोतों के लिए विशेष अग्नि परित्राण अपेक्षाएं।

1.0 निम्नलिखित अपेक्षाएं, वाणिज्य पोत परिवहन (अग्नि साधित्र) नियम, 1990 (जिसे इसमें इसके पश्चात् अ. स. नियम कहा गया है) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त है।

1.1 उससे संलग्न सारणी 1 और सारणी 2 निम्नलिखित प्रकार के पोतों को लागू होती है।

1. भाड़ा आधानों के वहन के लिए विनिर्दिष्ट रूप से डिजाइन न किए गए पोत और स्थोरा स्थान किन्तु पैक रूप में खतरनाक माल का वहन करने के लिए जिसमें भाड़ा आधान वहनीय टैंक सम्मिलित हैं, आशयित हैं ;

2. भाड़ा आधानों और वहनीय टैंकों में खतरनाक मामले वहन के लिए आशयित इस प्रयोजनार्थ निर्मित आधान पोत स्थोरा स्थल।

3. आर. ओ./आरओपोत और आर. ओ/आर ओ स्थोरा स्थल जो खतरनाक माल में वहन के लिए आशयित है।

4. ठोस खतरनाक माल का प्रपुंज में वहन के लिए आशयित पोत और स्थोरा स्थल।

5. पोत स्कै बंध बजरो में, प्रपुंज में द्रव और गीसों से भिन्न खतरनाक माल के वहन के लिए आशयित पोत और स्थोरा स्थल

2.0 विशेष अपेक्षाएं : “डैक पर” और “डैक के नीचे” दोनों में खतरनाक माल के भरण के लिए निम्नलिखित अपेक्षाओं का अनुसरण किया जाएगा। सारणी 1, 2 और 3 में ये अपेक्षाएं “उप पैरा संख्यांक द्वारा उपरिष्ठ की गई है। जहां कहीं सारणियों में एक्स” प्रकट होता है। तो उप पैरा में सुसंगत रूप में लागू होना पोत की प्रकार के सामने इन नियमों के नियम 10 में विनिर्दिष्ट खतरनाक माल का वर्ग पैरा 1.1 और/या वर्ग में विनिर्दिष्ट किया गया है।

1. जल प्रदाय

1.1 फायर मैन से जल प्रदाय की तुरन्त उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए या तो अपेक्षित दाब पर या स्थाई दाब पर अथवा फायर पम्प के लिए दूरस्थ चालू व्यवस्था समुचित रूप से लगाकर प्रबंध किया जायेगा। परिदत्त जल की मात्रा चार नोजल के साइज के दाब पर प्रदाय करने के लिए सक्षम होगा जैसा कि अ. श. सा. नियम में विनिर्दिष्ट किया गया है जो स्थोरा स्थल के किसी भाग पर जब वह खाली हो, जांच करके सक्षम किया गया है। भरपूर जल की मात्रा द्वारा डैक स्थोरा स्थल के अधीन पदाभिहित प्रभावी

रूप से शीतल युक्तियाँ किसी स्थिर व्यवस्था के नोजल फुहारन द्वारा या स्थोरा स्थल को जल के साथ बहा कर उपलब्ध कराई जाएगी। छोटे स्थोरा स्थलों और विशाल स्थोरा स्थलों के लघु क्षेत्रों में हम प्रयोजन के लिए हीज उपयोग किये जा सकते हैं। किसी भी दशा में निकासी और पम्पिंग व्यवस्था ऐसी होगी जिससे निर्वाध सतह के निर्माण को निर्धारित किया जा सके। यदि ऐसा करना संभव नहीं है तो जोड़े गए भाग और जल की निर्वाध सतह की स्थिरता पर हुए प्रतिकूल प्रभाव को उस सीमा तक हिसाब में लिया जायेगा जो अनु-मोदित स्थिरता जानकारी में आवश्यक समझी गई है।

डैक स्थोरा स्थल समुचित रूप से विनिर्दिष्ट मध्यवर्ती सहित इस रूप में पदाभिहित बहाव की व्यवस्था के स्थल पर पैरा 1.1.3 में की अपेक्षाओं को रखा जा सकता है।

ज्वलन के स्रोत :

विद्युत उपस्कर और वायरिंग किसी घिरे हुए स्थोरा स्थलों, बंदयान डैक स्थलों, या खुले यान डैक स्थलों में तब तक नहीं लगाए जायेंगे जब तक कि मुख्य सर्वेक्षक की राय में प्रचालन प्रयोजनों के लिए ऐसा करना अनिवार्य न हो। तथापि यदि ऐसे स्थलों में विद्युत उपस्कर लगा दिये जाते हैं तो यह एक प्रमाणिक सुरक्षा किस्म की पद्धति होगी जो ऐसे खतरनाक पर्यावरण में उपयोग के लिए है और जिससे इसमें खुला रखा जा सकेगा। जब तक कि विद्युत प्रणाली को एकल रूप से पूरा करना संभव न हो। (पयूजों से भिन्न प्रणाली में लिकों को हटाकर) डैकों और प्रपुज शीशों के केवल प्रवेशनों को या वाष्प के निकालने के स्थान को सील कर दिया जायेगा। केबलों और स्थोरा स्थल के भीतर के केबलों के अंदर वाले भाग को उस पर पड़ने वाले प्रभाव से होने वाले नुकसान से सुरक्षित रखा जायेगा। कोई ऐसे अन्य उपस्कर को जिसमें कोई ज्वलनशील वाष्प का ज्वलन स्रोत हो सकता है, अनुज्ञात नहीं किया जायेगा।

संसूचन प्रणाली :

सभी घिरे हुए स्थोरा स्थलों में जिसमें बंदयान डैक स्थल सम्मिलित है, एक अनुमोदित अग्नि संयुक्त और अग्नि चेतावनी प्रणाली लगाई जाएगी। जहाँ ऐसे स्थोरा स्थलों से लिए गए वातावरण नमूनों के लिए संसूचन प्रणाली का उपयोग किया जाता है वहाँ स्थोरा रिसन, संदमित वातावरण की दशा में उस स्थल में नमूना लेने की प्रणाली की मार्फत जिसमें संसूचन उपस्कर अवस्थित है, निवारित करने के लिए व्यवस्था की जाएगी। एक ऐसी सूचना जिसमें यह कथन होगा कि नमूनों को खुली हवा में विसर्जित किया जाएगा जब स्थोरा से विपरीत लिपटें निकल रही हो, उपस्कर पर स्थाई रूप में प्रदर्शित किया जाएगा।

संवातन:

घिरे हुए स्थोरा स्थलों में पर्याप्त विद्युत संवातन की व्यवस्था की जाएगी। व्यवस्था ऐसी होगी जिससे किसी खाली स्थोरा स्थल पर आधारित स्थोरा स्थल के किसी

ऊपरी या निचले भागों में से जैसा उपयुक्त हो, वाष्प को हटाने के लिए एक घंटे में कम से कम छह बार वायु परिवर्तन की व्यवस्था हो पड़े इस प्रकार लगे होंगे जिससे ज्वलनशील गैस के वायु मिश्रणों के ज्वलन को संभाव्यता का निराकरण किया जा सके। प्रवेश और निकासी संवातन मुहानों पर समुचित तार की जाली लगी होगी।

विलज पंपिंग :

जहाँ ज्वलनशील या विषैण द्रवों को घिरे हुए स्थोरा स्थलों में से जाना आशयित हो वहाँ विलज पंपिंग प्रणाली इस प्रकार डिजाईन की जाएगी जिससे ऐसे द्रवों की मशीनरी स्थल पार्सिंग पंपों में से असावधानीपूर्वक पंपिंग के विरुद्ध सुनिश्चित किया जा सके। जहाँ ऐसे द्रवों की विशाल मात्रा का वहन किया जाता है वहाँ उन स्थोरा स्थलों की निकासी की अतिरिक्त युक्तियों की व्यवस्था पर विचार किया जाएगा। ये युक्तियाँ मुख्य सर्वेक्षक के समाधान-प्रद रूप में होंगी।

कार्मिक सुरक्षा :

अग्नि शमन साधित्र नियमों की अपेक्षानुसार फायर सैन को दिए गए साज-सामान के अतिरिक्त संलग्न रसायन से, प्रतिरोधी पूर्ण सुरक्षात्मक वस्त्र के चार सेट उपलब्ध कराए जाएंगे। सुरक्षात्मक वस्त्र पूरी त्वचा को आच्छादित करेंगे जिससे कि शरीर का कोई भी अंग असुरक्षित न रह जाए।

अग्नि शमन साधित्र नियमों की अपेक्षानुसार दिए गए सामान के अतिरिक्त कम से कम दो स्वतः अंतर्विष्ट श्वसन साधित्र उपलब्ध कराए जाएंगे।

वहनीय अग्निशामक:

कम से कम बारह किलोग्राम शुष्क चूर्ण या समतुल्य कुल क्षमता वहनीय अग्निशामक स्थोरा स्थल के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। ये अग्नि शामक अग्नि शमन साधित्र नियम के अधीन अपेक्षित किसी वहनीय अग्नि शामक के अतिरिक्त उपलब्ध कराए जाएंगे।

मशीनरी स्थल सीमाओं का विद्युत रोधन :

प्रवर्ग "क" के स्थोरा स्थलों और मशीनरी स्थलों के बीच सीमाएं निर्मित करने वाले प्रपुज शीशों को "क-60" मानकों के अनुसार विद्युतरोधी किए जाएंगे जब तक कि ऐसे प्रपुज शीशों से कम से कम तीन मीटर क्षैतिज रूप से दूर खतरनाक माल का भरण नहीं किया जाता है, ऐसे स्थलों के बीच अन्य सीमाओं को "क-60" मानक के अनुरूप विद्युतरोधी किया जाएगा।

जल फुहारन प्रणाली :

प्रत्येक खुला आर ओ / आर ओ स्थोरा स्थल में जिसमें ऊपर एक डैक हो और प्रत्येक स्थल को एक बंद

आर ओ/आर ओ स्थोरा स्थल समझा जाएगा, जिसको शीत नहीं किया जा सकता है एक अनुमोदित स्थिर दाव जल फुहारन प्रणाली जो किसी डैक और यान प्लेट फार्म में सभी मार्गों को सुरक्षित रखेगा। केवल उसके मिवाय कि मुख्य मर्वेक्षक की किसी अन्य स्थिर अग्नि शमन प्रणाली के उपयोग के लिए जिसको पूर्ण रूप से दक्षित किया गया

हो और जो कम प्रभाव न हो, अनुज्ञात करे। निकाली और पंपिंग व्यवस्था किसी भी दशा में ऐसी होगी जो निर्बाध सतह के निर्माण को निवारित कर सके। यदि संभव न हो तो जोड़े गये भाग और जल की निर्बाध सतह की स्थिरता पर होने वाले प्रतिकूल प्रभाव की आवश्यक समझी गई सीमा तक ध्यान में रखा जायेगा।

दूसरी अनुसूची

[नियम 9(3), 14(6) देखिए]

खतरनाक माल के वहन के लिये अनुपालन प्रमाणपत्र

(समुद्र में प्राण सुरक्षा के लिये अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन, 1974 के 1981 के संशोधन के अध्याय 11-2 के विनियम 54 के पैरा 3 के उपबन्धों के अनुसरण में जारी किया गया है।)

पोत का नाम	सुभिन्न संख्या या अक्षर	रजिस्ट्री पत्तन	कुल टन भार
------------	-------------------------	-----------------	------------

यह प्रमाणित किया जाना है

1. कि ऊपर उल्लिखित पोत का सन्निर्माण और उपस्कर, समुद्र में प्राण-सुरक्षा के लिये अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन 1974 के 1981 के संशोधन के अध्याय 11-2 के विनियम 54 के उपबन्धों के अनुसरण में पाये गये हैं।

2. कि पृष्ठ 2 पर यथा विनिर्दिष्ट खतरनाक माल के वहन के लिये पोत उपयुक्त है।

3. खतरनाक ठोस प्रपुंज स्थोरा की बावत, स्थोरा सूची में ठोस प्रपुंज स्थोरा के लिये सुरक्षित व्यवहार के संहिता में अर्ग.एम. एच.बी. के रूप पदार्थ हैं, जिसमें स्थोरा भी सम्मिलित है, जिसके लिये जलयान उपयुक्त है। यह प्रमाण-पत्र तक विधिमाम्य है।

(प्रमाण पत्र जारी होने का स्थान)

(जारी होने की तारीख) 19—

प्रधान अधिकारी

वाणिज्यिक समुद्री विभाग

तीसरी अनुसूची

[नियम 10(3) देखिए]

खतरनाक माल की घोषणा

यह प्ररूप एस.ओ. एल.ए.एस. 74 अध्याय 7 विनियम 5 एम. ए. आर. पी. ओ. एल. 37/72 उपाबन्ध 3 विनियम 4 और आई.एम. डी.जी. संहिता साधारण अनुदेश धारा 9 की अपेक्षानुसार है।

माल भेजने वाला	1 संदर्भ संख्या (संख्याएं)	2
परेषिती	3 वाहक	4
आधान पैकिंग प्रमाण-पत्र/यान घोषणा	6 हस्ताक्षरी का नाम/प्रास्थिति कंपनी/संगठन	

घोषणा :

पैकर की ओर से हस्ताक्षर

यह घोषणा की जाती है कि आधान/यान की पैकिंग आई.एम.

डी.जी. संहिता के साधारण अनुदेश पैरा 12.3.7 या 17-7.7 के अनुसरण में की गई है।

आधानों या यानों में लब्दाई के लिये पूरा किया जाना है।

पोत का नाम और वायज उत्तराई पत्तन	लदाई पत्तन	(पाठ, अनुदेश या अन्य मामलों के लिये आरक्षित)
लागू पहचान का चिन्ह और (सं. 2 या) एकक की रजिस्ट्रीकरण संख्यांक	पैकजों की संख्या और प्रकार समुचित लदाई नाम/सही तकनीकी नाम, आई. एस. ओ. परिसंकटमय वर्ग/प्रभाग, यू.एन. सं. पैकिंग समूह,	कुल भार (कि. — ग्रा.) शुद्ध परि- निम्नलिखित के रूप में माल माण-पत्र 5 का परिदत्त किया।
स्वामित्व/व्यापार के नाम पर्याप्त नहीं है, यदि लागू होता है :	प्रज्वलक तापांक (डिग्री सेंटीग्रेड में) नियंत्रण और आपात तापमान, माल की पहचान समुद्री प्रदूषक ई.एम.एस. संख्या और एम.एफ.ए.जी. सारणी संख्यांक	विफरित प्रपुंज स्थोरा उपयोग हुआ स्थोरा प्रपुंज पैकेज एकक की प्रकार (आधान, ट्रेलर, टंकी यान आदि खुला या बंद। समुचित बाक्स में लिख वें।
(1) "अवशिष्ट" शब्द का नाम के बांब में आना चाहिये।		
(2) खाली अदावाकृत या अंत में अन्तर्विष्ट अवशिष्ट जोड़े जाने चाहिये।		
(3) "परिसीमित मात्रा" तब जोड़ी जानी चाहिये जब आई.एम.डी.जी. संहिता के साधारण अनुदेश का पैरा 9.3 में ऐसी अपेक्षा की जाती है।		इस स्तंभ को शीर्षक से अलग रखा जा सकता है उस दशा में समुचित वर्णन लिखें।
अतिरिक्त संसूचना—		
कतिपय परिस्थितियों में विशेष सूचना/प्रमाण पत्र अपेक्षित है। आई.एम.डी.जी. संहिता साधारण अनुदेश पैरा 9.7.1/9.7.2 देखिए		
घोषणा :—		
मैं घोषणा करता हूँ कि इस परेषण की अंतर्वस्तु का ऊपर सही तकनीकी नाम (नामों) समुचित लदापोत परिवहन का नाम (नामों) द्वारा पूर्णतया और सही रूप में वर्णन किया गया है और इसके वर्गीकृत पैकेज चिन्ह लेबल/प्लेकार्ड वर्गीकृत है और यह अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय सरकारी विनियमों के अनुसार परिवहन के लिये हर प्रकार से सही दशा में है।	हस्ताक्षरकर्ता का नाम/प्रास्थिति कंपनी/संगठन	स्थान और तारीख माल भेजने वाले के हस्ताक्षर

चौथी अनुसूची

[नियम 19(3)(क) देखिए]

खतरनाक रसायनों को प्रपुंज में बहन के लिये अंतर्राष्ट्रीय उपयुक्तता प्रमाणपत्र

खतरनाक रसायनों का प्रपुंज बहन करने के लिये पोतों के सन्निर्माण और उपस्कर के लिये अंतर्राष्ट्रीय संहिता के उपबन्धों के अधीन [संकल्प एम.एस.सी. 4 (48) और एम.ई.पी.पी.; 19(22)]

भारत सरकार के प्राधिकार में अधीन प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग द्वारा जारी किया गया।

पोत का नाम	सुभिन्न संख्या और अक्षर	रजिस्ट्री का पत्तन	कुल टन भार	पोत प्रकार (संहिता पैरा 2.1.2.2)
------------	-------------------------	--------------------	------------	----------------------------------

वह तारीख जिसकी कील रखी गई या जिसको पोत संनिर्माण के उसी प्रक्रम पर था या : (संपरिवर्तित पोत के मामले में) वह तारीख जिसको रसायन टैंकर में उसका संपरिवर्तन प्रारंभ हुआ था।

पांचवी अनुसूची

[नियम 19 (3) (ख) देखिए]

खतरनाक रसायनों का प्रपुंज में वहन करने के लिये उपयुक्तता प्रमाणपत्र

खतरनाक रसायनों का प्रपुंज में वहन करने के लिये पोतों के संनिर्माण और उपस्कर के लिये अन्तर्राष्ट्रीय समुद्रीय परामर्शी संगठन के अनुसरण में

भारत सरकार के प्राधिकार के अधीन (वेश का पूरा शासकीय पदनाम) प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग द्वारा जारी किया गया।

पोत का नाम	सुभिन्न संख्यांक या अक्षर	रजिस्ट्री पत्तन	सकल टन भार	पोत प्रकार (कोड पैरा 2.2.4). 1
------------	---------------------------	-----------------	------------	--------------------------------

वह तारीख जिसको नीतल रखा गया था या किसी संपरिवर्तित पोत की दशा में, वह तारीख जिसको पोत का रसायन टैंकर में संपरिवर्तन प्रारंभ हुआ।

5. यह प्रमाणपत्र, तारीख ————— 19 ————— तक प्रवृत्त रहेगा जब तक कि इसे पहले रद्द नहीं कर दिया जाता।
————— पर ————— 19 ————— को जारी किया गया।

(प्रमाणपत्र जारी करने का स्थान)

अधोहस्ताक्षरी यह घोषणा करता है कि वह इस प्रमाणपत्र को जारी करने के लिए उक्त सरकार द्वारा सम्यक् रूप से प्राधिकृत है।

प्रधान अधिकारी -
वाणिज्यिक समुद्री विभाग

प्रमाणपत्र के पूरा करने पर टिप्पण :-

1. "पोत प्रकार": इस स्तंभ के अधीन कोई प्रविष्टि सभी सुसंगत सिफारिशों से संबंधित होनी चाहिए, उदाहरणार्थ "प्रकार II" प्रविष्टि से संहिता द्वारा विहित सभी प्रकार के प्रकार II अभिप्रेत होने चाहिए। यह स्तंभ प्रायः किसी विद्यमान पोत की दशा में लागू नहीं होगा और ऐसे किसी मामले में "पैरा 2 (ख) देखिए" टिप्पण लिखा जाए।

2. पैरा 2 (ii) (ख) : इस पैरा की सिफारिशों के संबंध में पोत की प्रास्थिति के अनुसार 1.7.3 (क), (ख), (ग), (घ) अंतः स्थापित करें।

3. पैरा 3 : संहिता के अध्याय IV में सूचीबद्ध उत्पादक या जिसका संहिता के पैरा 1.8 को अपेक्षानुसार प्रशासन द्वारा मूल्यांकन किया गया है, को ही सूचीबद्ध किया जाए। बाद वाले "नए उत्पादों की बाबत अनंतिम रूप से विहित की गई किन्हीं विशेष अपेक्षाओं पर टिप्पण किया जाए।"

1. (1) कि पोत का संहिता की धारा 1.5 के उपबंधों के अनुसार सर्वेक्षण किया गया है।

2. कि सर्वेक्षण दर्शित करता है कि पोत की संरचना, उपस्कर, फिटिंगें, व्यवस्था और सामग्री तथा उसकी शर्तें सभी प्रकार से समाधान प्रद हैं और कि पोत संहिता के सुसंगत उपबंधों का अनुपालन करता है।

2. कि निम्नलिखित डिजाइन मानदंड का प्रयोग किया है।

- (1) परिवेश तापमान $^{\circ}\text{सी}^{\circ}$
 (2) परिवेश जल तापमान $^{\circ}\text{सी}^{\circ}$

संलग्नक

सर्वेक्षण

यह प्रमाणित किया जाता है कि संहिता की धारा 1.6 की अपेक्षानुसार सर्वेक्षण करने पर यह पाया गया कि यह पोत संहिता के सुसंगत उपबंधों का अनुपालन करता था।

मध्यवर्ती सर्वेक्षण

स्थान _____

तारीख _____

जारी करने वाले प्राधिकारी
के हस्ताक्षर और मुद्रा

स्थान _____

तारीख _____

जारी करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर
और मुद्रा

स्थान _____

तारीख _____

जारी करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर
और मुद्रा

स्थान _____

तारीख _____

जारी करने वाले प्राधिकारी के हस्ताक्षर और मुद्रा

द्रवित गैसों को प्रयुज में ले जाने के लिए विद्यमान पोतों के लिए संहिता के पैरा 1.2.3 के अनुसार पृष्ठांकन

संलग्नक

यह प्रमाणित किया जाता है

1. कि ऊपर दर्शित पोत

* (i) ऐसा पोत है जैसा संहिता के 1.2.2 में परिभाषित है,

* (ii) ऐसा पोत है जैसा संहिता के 1.2.3 में परिभाषित है

2. (i) कि पोत का संहिता की धारा 1.6 के उपबंधों के अनुसार सर्वेक्षण कर लिया गया है,

(ii) कि सर्वेक्षण से यह दर्शित होता है कि पोत की संरचना, उपस्कर फिटिंगें, व्यवस्था और सामग्री तथा उसकी शर्तें सभी प्रकार से समाधान प्रद हैं और कि पोत संहिता के सुसंगत उपबंधों का अनुपालन करता है।

3. निम्नलिखित डिजाइन मानदंड का प्रयोग किया है

(क) परिवेश वायु तापमान $^{\circ}\text{सी}^{\circ}$

(ख) परिवेश जल तापमान $^{\circ}\text{सी}^{\circ}$

(ग)

टैक प्रकार और संख्यांक

मौसमजन्य कारण³

सामग्री³

एमए और
बी एस

क

ख

ग

घ

1.

2.

3.

4.

5.

स्थोरा पाईपिंग

विशेष टिप्पणी :—इस सूची में निर्दिष्ट टैंक संख्याओं की पहचान उपाबद्ध, हस्ताक्षरित और तारीख वाले टैंक प्लान सं. 2क पर की जाती है।

(घ) स्थोरा टैंक सामग्री की यांत्रिक सम्पत्तियां°सी. 4 पर अवधारित की गई थी।⁴

4. कि पोट निम्नलिखित उत्पादों को प्रपुंज में बहन करने के लिए उपयुक्त है, परन्तु यह संहिता के सभी सुसंगत परिचलित उपबंधों का पालन करता है।⁶

उत्पाद

बहन की शर्तें

(टैंक संख्यांक, न्यूनतम तापमान, अधिकतम दबाव, अधिकतम सघनता में टैंक की लड़ाई की शर्तें।)

1.

2.

3.

विशेष टिप्पणी :— उपाबद्ध, हस्ताक्षरित और तारीख वाले सीट (१) संख्यांक 1क पर जारी हैं।

विशेष टिप्पणी : इस सूची में निर्दिष्ट टैंक संख्याओं की पहचान, उपाबद्ध, हस्ताक्षरित और तारीख वाले अंतिम प्लान संख्यांक 2 क पर की जाती है।

*समुचित रूप से लोप कर दें।

संलग्नक

5. कि धारा 1-5/2.7 के अनुसार पोट की बाबत संहिता के उपबंधों को निम्नलिखित रीति से उपांतरित किया है। यह प्रमाणपत्र 19 तक विधिमान्य है।

..... पर 19 को जारी किया गया।

(प्रमाणपत्र जारी करने का स्थान)

अधोहस्ताक्षरी यह घोषणा करता है कि वह उनके प्रमाणपत्र को जारी करने के लिए उक्त सरकार द्वारा सम्पूर्ण रूप से प्राधिकृत है।

(प्रमाणपत्र जारी करने वाले पदधारी के हस्ताक्षर और / या जारी करने वाले प्राधिकारी की मुद्रा)

(यथा समुचित जारी करने वाले प्राधिकारी की मुद्रा या स्टाम्प)

प्रमाणपत्र के समापन पर टिप्पण :—

1. "पोत प्रकार" इस स्तम्भ के अधीन कोई प्रविष्टि सभी सुसंगत सिफारिशों से संबंधित होनी चाहिए उदाहरणार्थ "प्रकार 11छ" "प्रविष्टि" से संहिता द्वारा विहित सभी प्रकार के प्रकार 11छ अभिप्रेत होने चाहिए।

2. पैरा 3(क) और 3 (ख) : संहिता के 4.5.1 के प्रयोजनों के लिए प्रशासन द्वारा स्वीकृत या अपेक्षित परिवेश तापमान अतः स्थापित किया जाए।

3. पैरा 3(ग) : संहिता के 4.5.1 (घ) (i) और 4.5.1 (ङ) के प्रयोजन के लिए प्रशासन द्वारा स्वीकृत या अपेक्षित मौसमजन्य कारण और सामग्री अतः स्थापित की जाए।

4. पैरा 3 (घ) संहिता के 4.5.1 (घ) के प्रयोजन के लिए प्रशासन द्वारा स्वीकृत कक्ष तापमान या अन्य तापमान अतः स्थापित किया जाए।

5. पैरा 4: संहिता के अध्याय XIX में सूचीबद्ध केवल वे उत्पाद या जिसका संहिता के पैरा 1.7.2 की अपेक्षानुसार प्रशासन द्वारा मूल्यांकन किया गया है, को ही सूचीबद्ध किया जाए/बाद वाले "नए" उत्पादों की बाबत अंतिम रूप से विहित की गई किन्हीं विशेष अपेक्षाओं पर टिप्पण किया जाए।

*समुचित रूप से लोप कर दें।

सातवीं अनुसूची

[नियम 20(3)(ख) देखिए]

द्रवित गैसों का प्रपुंज में वहन के लिए ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र

(शासकीय मुद्रा)

द्रवित गैसों को प्रपुंज में ले जाने के लिए पोतों के संनिर्माण और उपस्कर के लिए अन्तरराष्ट्रीय समुद्री सलाहकार संगठन संहिता और अन्तरराष्ट्रीय समुद्री सलाहकार संगठन संकल्प ए 329 (ix) के अनुसरण में भारत सरकार के प्राधिकार के अधीन भारत गणराज्य

(देश का पूर्ण शासकीय पदनाम)

प्रधान अधिकारी, वाणिज्यिक समुद्री विभाग द्वारा जारी किया गया।

पोत का नाम	सुभिन्न संख्यांक या अक्षर	रजिस्ट्रीपत्तन	स्थोरा क्षमता	पोत प्रकार (संहिता की धारा 2.5)
------------	---------------------------	----------------	---------------	---------------------------------

निर्माण या मुख्य संपरिवर्तन संविदा की तारीख वह तारीख, जिसको नौतल रखा गया था या पोत संनिर्माण की वैसी ही अवस्था में था या जिसको मुख्य संपरिवर्तन प्राप्त हुआ था प्रमाणपत्र, जारी करने वाले देश की राजभाषा में तैयार किया जाना चाहिए। यदि प्रयोग की गई भाषा न तो अंग्रेजी है और न फ्रेंच है तो पाठ में इन भाषाओं में से एक भाषा के तीन अनुवाद होने चाहिए।

द्रवित गैस का प्रपुंज में वहन करने के लिए ठीक हालत में होने का अन्तरराष्ट्रीय प्रमाणपत्र का संलग्नक धारा 3 में विनिर्दिष्ट वे उत्पाद और उनके वहन की शर्तों की जारी सूची।

उत्पाद	वहन की शर्तें (टैंक संख्यांक आदि)
--------	--------------------------------------

तारीख

(प्रमाणपत्र के लिए)

प्रधान अधिकारी

वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मुम्बई

टैक प्रकार और संख्या	सौसमज्य कारण ³				सामग्री ³	एस ए और बी एस
	क	ख	ग	घ		

स्थोरा
पार्किंग

विशेष टिप्पणी. इस सूची में निर्दिष्ट टैक संख्याओं की पहचान संलग्नक 2, हस्ताक्षरित और तारीख वाले टैक प्लान पर की जाती है।

4. स्थोरा टैक सामग्री की यंत्रिक सम्पत्तियां सी⁴
पर अवधारित की गई थी।

3. कि पोत निम्नलिखित उत्पादों को प्रपुंज में बहन करने के लिए उद्भूत है, परन्तु वह संहिता के परिचालित उपबंधों का पालन करता है।⁵

उत्पाद	बहन की शर्तें (टैक संख्यांक आदि) . . .
--------	---

संलग्नक 1, हस्ताक्षरित और तारीख वाले अतिरिक्त पन्नों पर जारी।

इस सूची में निर्दिष्ट टैक संख्याओं की पहचान संलग्नक 2, हस्ताक्षरित और तारीख वाले टैकप्लान पर की जाती है।

4 कि धारा 1. 4/2. 8. 2* के अनुसार पोत की बावत संहिता के उपबंधों को निम्नलिखित रीति से उपांतर्गत किया है।
कि पोत की लड़ाई

*1 लड़ाई शर्तों के अनुसार अनुमोदित लड़ाई मैनुअल में उपबंधित, पेस्टाम्पित और तारीख
तथा प्रशासन के उत्तरदायी अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित या प्रशासन द्वारा मान्यताप्राप्त किसी संगठन द्वारा;

*2. इस प्रमाणपत्र से संलग्न लड़ाई की सीमाओं के अनुसार, होनी चाहिए।

*समुचित रूप से नोट कर दें।

यह प्रमाणपत्र 19 11
विधिमान्य है। पर को
जारी किया गया।

(प्रमाणपत्र जारी करने का स्थान)

..... 19

जारी करने की तारीख

प्रधान अधिकारी
वाणिज्यिक समुद्री विभाग, मुम्बई
(समुचित रूप से जारी करने वाले
प्राधिकारी की मुद्रा या स्टाम्प)

प्रमाणपत्र के पूरा करने पर टिप्पण:—

(1) “पोत प्रकार”: इस स्तम्भ के अधीन कोई प्रविष्टि सभी सुसंगत सिफारिशों से संबंधित होनी चाहिए उदाहरणार्थ “प्रकार 2छ” प्रविष्टि के संहिता द्वारा विहित सभी प्रकार के प्रकार 2छ, अभिप्रेत होने चाहिए।

(2) पैरा पै 2.1 और 2.2 : संहिता के 1.8.1 के प्रयोजनों के लिए सप्रशासन द्वारा स्वीकृत या अपेक्षित परिवेश तापमान अंतः स्थापित किया जाए।

(3) पैरा 2.3.1: संहिता के 4.5.1.4 और 4.5.1.6 के प्रयोजनों के लिए प्रशासन द्वारा स्वीकृत या अपेक्षित मौसमजन्य कारण और सामग्री अंतः स्थापित की जाए।

(4) पैरा 2.4: संहिता 4.5.1.7 के प्रयोजनों के लिए प्रशासन द्वारा स्वीकृत तापमान अंतः स्थापित किया जाए।

(5) पैरा 3: संहिता के अध्याय 19 में सूचीबद्ध केवल के उत्पाद या जिसका संहिता के पैरा 1.1.6 की अपेक्षानुसार प्रशासन द्वारा मूल्यांकन किया गया है, को ही सूचीबद्ध किया जाए। बाद वाले “नए” उत्पादों की बाबत अंतिम रूप से विहित की गई किन्हीं विशेष अपेक्षाओं पर टिप्पण किया जाए।

आज्ञापक वार्षिक सर्वेक्षण के लिए पृष्ठांकन

यह प्रणयित किया जाता है कि द्रवित गैस को प्रयुज में ले जाने के लिए पोतों के संनिर्माण और उपस्वर के लिए अन्तर्राष्ट्रीय संहिता के पैरा 1.5.2.1.4 की अपेक्षानुसार आज्ञापक वार्षिक सर्वेक्षण करने पर यह पाया गया कि यह सुसंगत उपबंधों का अनुपालन करता था।

हस्ताक्षरित
(प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर)
स्थान
तारीख
(समुचित प्राधिकारी की मुद्रा या स्टाम्प)
हस्ताक्षरित
तारीख
(समुचित प्राधिकारी की मुद्रा या स्टाम्प)
हस्ताक्षरित
(प्राधिकृत अधिकारी की मुद्रा या स्टाम्प)
स्थान
तारीख
(समुचित, प्राधिकारी की मुद्रा या स्टाम्प)
हस्ताक्षरित
(प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर)
स्थान
तारीख
(समुचित प्राधिकारी की मुद्रा या स्टाम्प)

टिप्पण :— यह मध्यवर्ती सर्वेक्षण आजापक वार्षिक सर्वेक्षण का स्थान लेगा जहाँ कि 1. 5. 2. 1. 3 और 1. 5. 2. 1. 4 के सुसंगत उपबंधों का अनुपालन किया गया है।

.....को शोध्य वार्षिक सर्वेक्षण + 3 मास
को शोध्य मध्यवर्ती सर्वेक्षण + 6 मास

मध्यवर्ती सर्वेक्षण के लिए पृष्ठानकन

यह प्रमाणित किया जाता है कि द्रवित गैस को प्रपुज में ले जाने वाले पोतों के संनिर्माण और उपस्कर के लिए अन्तरराष्ट्रीय संहिता के 1. 5. 2. 1. 3 की अपेक्षानुसार मध्यवर्ती सर्वेक्षण करने पर पोत को संहिता के सुसंगत उपबंधों का अनुपालन करना पाया गया था।

हस्ताक्षरित

(प्राधिकृत अधिकारी के हस्ताक्षर)

स्थान

तारीख

(समुचित प्राधिकारी की मुद्रा या स्टॉप)

.....को शोध्य वार्षिक सर्वेक्षण + 3 मास
को शोध्य मध्यवर्ती सर्वेक्षण + 6 मास

[का.सं.एस.आर.-11013/7/93-एम-ए]

श्री. पी. महे, अवर सचिव

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Shipping Wing)

Now Delhi, the 27th December, 1995

G.S.R. 811(E).—Whereas a draft of Merchant Shipping (Carriage of Cargo) Rules, 1995 was published as required by sub-sections (1) and (2) of Section 330, Section 331 and sub-section (5) of Section 332, read with Section 457, of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) and in supersession of the Merchant Shipping (Carriage of Dangerous Goods) Rules, 1978, the Merchant Shipping Deck Cargo (including Timber Cargo) Rules, 1980 and the Merchant Shipping (Carriage of Grain) Rules, 1991 in the Gazette of India, Part-II, Section 3, Sub-section (i) dated the 16th January, 1995 under notification of the Government of India vide No. G.S.R. 43 dated the 28th January, 1995 as required under Sections 330 and 332 of the Merchant Shipping Act for the information of all persons likely to be affected thereby inviting their objections and suggestions in respect of the said draft rules till a period of thirty days from the date on which copies of the notification as published in the Gazette of India are made available to the public ;

And, whereas the said Gazette was made available to the public on 28th January, 1995 ;

And, whereas no objection or suggestions have been received ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sections 330, 331 and 332 with Sections 457 and 458 of the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958), the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

1. Short title, commencement and application.—(1) These rules may be called Merchant Shipping (Carriage of Cargo) Rules, 1995.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) They shall apply to :—

(a) every Indian ship carrying or about to carry cargoes specified in these rules anywhere, and

(b) every ship other than Indian ship carrying or about to carry cargoes specified in these rules in port or places in India ;

Provided that where such cargoes are to be carried on Indian ships of less than 500 tons gross tonnage the Director General may permit other effective measures to ensure safety of the ship taking into account the nature and conditions of the voyage.

(4) These rules shall not apply to carriage of ship's stores and equipment.

2. Definition.—In these rules, unless the context otherwise requires :

(a) "Act" means the Merchant Shipping Act, 1958 (44 of 1958) ;

(b) "administration" as mentioned in the various International Maritime Organisation Codes means the Directorate General of Shipping ;

(c) "BC Code" means the code of safe practice for solid bulk cargoes adopted by the International Maritime Organisation as amended from time to time ;

(d) "BCH Code" means the Code for the construction and equipment of ships carrying dangerous chemicals in bulk for ships built before 1st July, 1986 by the International Maritime Organisation as amended from time to time.

(e) "cargo units" means a vehicle, container, flat pallet portable tank, packaged unit, or any other entity and loading equipment or part thereof which may belong to the ship but is not fixed to the ship ;

(f) "cargo stowage code" means the code of safe practice for cargo stowage and securing adopted by the International Maritime Organisation as amended from time to time ;

(g) "chemical tanker" means a cargo ship constructed or adopted and used for the carriage of dangerous liquid chemicals in bulk in listed in International Code for the Construction and Equipment of Ships

carrying Dangerous Chemicals in Bulk (IBC) Code for the Construction and Equipment of Ships carrying Dangerous Chemicals in Bulk (BCH) code ;

- (h) "Chief Surveyor" means the Chief Surveyor with the Government of India or the Deputy Chief Surveyor in the Directorate General of Shipping ;
- (i) "container" means an article of transport equipment :—
- (a) of a permanent character and accordingly strong enough to be suitable for repeated use.
 - (b) specially designed to facilitate the transport of goods, by one or more modes of transport, without intermediate reloading.
 - (c) designed to be secured and/or readily handled, having corner fittings for the purposes.
 - (d) of such size that the area enclosed by the four outer bottom corners in either :—
 - (i) at least 14 square metre (150 square feet), or
 - (ii) at least 7 square metre (75 square feet) if it is fitted with top corner fittings.
 - (e) complying with the requirement of the International Convention for safe containers. The term "container" includes, neither vehicles nor packaging; however, containers when carried on chassis are included ;
- (j) "dangerous cargoes" include dangerous goods in packaged form, explosives as defined in Explosives Act, 1884 and the International Maritime Dangerous Goods (IMDG) code, noxious or dangerous chemicals liquid in bulk, solid bulk cargoes, liquified gas, harmful substances identified as marine pollutants in the International Maritime Dangerous Goods (IMDG) code. Deck cargoes including timber cargo and other such cargoes, which by reasons of their nature, quantity or mode of stowage are either singly or collectively liable to endanger the life or health of persons on or near the ship or liable to imperil the safety of the ship ;
- (k) "dangerous goods" means dangerous cargoes carried in packaged form or solid form in bulk and includes harmful substances identified as marine pollutants in the International Maritime Dangerous Goods (IMDG) code ;
- (l) "documents" in the context of these rules includes information submitted through electronic data processing (EDP) and electronic data interchange (EDI) transmission techniques as an aid to paper documentation ;
- (m) "gas carrier" means a cargo ship constructed or adapted and used for the carriage on bulk of any liquified gas or other product listed in the International Code for the Construction and Equipment of ships carrying Liquified Gases in Bulk (IGC)/ GAS code.
- (n) "gas code" means the Code for construction and equipment of ships carrying liquified gases in bulk applicable to ships constructed on or after 31st December, 1976 but prior to 1st July, 1986 adopted by the International Maritime Organisation as amended from time to time ;
- (o) "grain" includes wheat, maize (corn) oats, rye, barley, rice, pulses, seed and processed from thereof whose behaviour is similar to that of grain in its natural state ;
- (p) "grain code" means the international code for the safe carriage of grain in bulk adopted by the International Maritime Organisation as amended from time to time ;
- (q) "International Code for the Construction and Equipment of ships carrying Dangerous Chemicals in Bulk (IBC) Code" means the International code for constructions and equipment of ships carrying dangerous chemicals in bulk applicable to ships constructed on or after 1st July, 1986 adopted by the International Maritime Organisation as amended from time to time ;
- (r) "International Code for the Construction and Equipment of ships carrying liquified gases in Bulk (IGC) code" means the International code for constructions and equipment of ships carrying liquified gases in bulk applicable to ships constructed on or after 1st July, 1986 adopted by the International Maritime Organisation as amended from time to time ;
- (s) "International Maritime Dangerous Goods (IMDG) code" means the International Maritime Dangerous Goods code adopted by the International Maritime Organisation as amended from time to time ;
- (t) "liquified gases" means gases having a vapour pressure exceeding 2.8 bar absolute at a temperature of 37.8°C and includes other product prescribed in the International Code for the Construction and Equipment of Ships carrying Liquified Gases in Bulk (IGC) code ;
- (u) "MARPOL Convention" means the International Convention for prevention of pollution from ships in force including its protocol adopted by the International Maritime Organisation and as amended from time to time ;
- (v) "Nautical Advisor" means the Nautical Adviser to the Government of India or the Deputy Nautical Advisor in the Directorate General of Shipping ;
- (w) "Schedule" means Schedules to these rules ;
- (x) "SOLAS Convention" means the International Convention for Safety of Life at Sea in force including its protocols adopted by the International Maritime Organisation and as amended from time to time ;
- (y) "timber code" means the code for safe practice for ships carrying timber deck cargo adopted by the International Maritime Organisation as amended from time to time ;
- (z) "timber deck cargo" means the deck cargo consisting of timber ;
- (za) "U.N. number" means a serial number assigned to a dangerous substance in the International Maritime Dangerous Goods (IMDG) code ;

PART II

3. General.—(1) Every ship, when carrying dangerous cargo in bulk which is liable to emit a toxic or flammable gas or cause oxygen depletion in the cargo space, shall be provided with an appropriate instrument for measuring the concentration of gas or oxygen in the air or in such spaces. Detailed instruction for use shall be provided with every such instrument and the crew on very such ship shall be trained in the use of such instrument within two weeks of their joining such ship for the first time.

(2) Every Master when using pesticides for fumigation of the cargo or accommodation spaces shall take appropriate precaution to ensure safety of ship's crew and those engaged in fumigation.

(3) Every ship loading dangerous cargoes under these rules shall be provided with comprehensive information on the ship's stability and the distribution of cargo in various standard loading condition. Information as provided under Merchant Shipping (Loadline) Rules, 1979 shall be considered adequate.

4. Cargo information.—(1) The shipper shall provide the master or his representative with appropriate information on the cargo sufficiently in advance of loading to enable the precautions which may be necessary for proper stowage and

safe carriage of the cargo to be put in to effect. Such information shall be confirmed in writing and by appropriate shipping documents prior to loading the cargo on the ship.

(2) The cargo information shall include :

- (a) in the case of general cargo, and of cargo carried in cargo units, a general description of the cargo, the gross mass of the cargo or of the cargo units, and any relevant special properties of the cargo ;
- (b) in the case of a bulk cargo, information on the stowage factor of the cargo, the trimming procedures and, in the case of a concentrate or other cargo which may liquefy, additional information in the form of a certificate on the moisture content of the cargo and its transportable moisture limit ;
- (c) in the case of a bulk cargo not classified in accordance with the provisions of sub-rule (1) of rule 10 but which has chemical properties that may create a potential hazard, in addition to the information required by this rule, information on its chemical properties.

(3) Prior to loading cargo units on board ships, the Shipper shall ensure that the gross mass of such units is in accordance with gross mass declared on the shipping documents.

5. International Maritime Organisation codes.—Every ship shall be provided with the appropriate codes referred to in these rules and adopted by the International Maritime Organisation relating to specific cargoes intended to be carried on board.

6. Stowage and securing.—When stowing and securing any cargo on board ship the Master shall comply with the provisions specified in cargo stowage code and in particular ensure that :

- (1) Cargo and cargo units carried on or under deck are so loaded, stowed and secured as to prevent as far as practicable, throughout the voyage, damage or hazard to the ship and the persons on board, and loss of cargo overboard.
- (2) Cargo carried in a cargo unit is so packed and secured within the unit as to prevent, throughout the voyage, damage or hazard to the ship and the persons on board.
- (3) Appropriate precautions are taken during loading and transport of heavy cargoes or cargoes with abnormal physical dimensions to ensure that no structural damage to the ship occurs and to maintain adequate stability throughout the voyage.
- (4) Appropriate precautions are taken during loading and transport of cargo units on board ro-ro ships, especially with regard to the securing arrangement on board such ships and on the cargo units and with regard to the strength of the securing points and lashings.
- (5) Containers are not loaded to more than the maximum gross weight indicated on the Safety Approval Plate fixed thereon under the International Convention for Safe Containers (CSC).
- (6) A ship carrying cargo units and other entities covered in the cargo stowage code shall carry a cargo securing manual duly prescribed and approved by the Nautical Advisor.

7. Reporting of incidents involving dangerous cargoes.—(1) When an incident taken place involving the loss or likely loss overboard of dangerous cargo including packaged dangerous goods, dangerous cargo in bulk, the Master, or other person having charge of the ship, shall report the particulars of such an incident without delay and to the fullest extent possible to the nearest coastal State. The report shall be based on the "General principle for ship reporting systems and ship reporting requirements including guidelines for reporting incident involving dangerous goods, harmful substances and/or marine pollutants" approved by the International Maritime Organisation.

(2) In the event of the ship referred to in sub-rule (1) being abandoned, on in the event of a report from such a ship being incomplete or unobtainable the owner, character, manager or operator of the ship, or their agents shall, to the fullest extent possible, assume the obligations placed upon the master by this rule.

(3) Every such ship when carrying dangerous cargo shall carry special emergency equipment including protective clothing as specified in the Schedule to International Maritime Dangerous goods (IMDG) code (Em Schedule) in compliance with emergency procedures for ship carrying dangerous goods. Such protective clothing and equipment shall be kept in readiness as long as such cargo is carried on board or it being loaded or discharged. Master of every such ship shall ensure that the crew is familiar with the use of such equipment.

(4) In every accident involving dangerous goods Master shall be guided by the International medical guide for ship adopted by International Maritime Organisation, the medical first aid guide for use in accidents involving dangerous goods annexed to IMDG code and the list of medicines specified in Merchant Shipping (Carriage of Medicines) rules.

PART III

8. Application.—This part applies to carriage of

- (i) dangerous goods in packaged form ;
- (ii) solid bulk cargoes, and
- (iii) deck cargoes including timber deck cargo.

9. Dangerous goods in packaged form (1) Unless expressly provided otherwise, every ship carrying dangerous goods in packaged form as classified in sub-rule (1) of rule 10 shall comply with the requirements of the International Maritime Dangerous Goods (IMDG) code.

(2) Every such ship constructed after 1st July, 1986 shall, in addition, comply with the requirements of the first Schedule and on such compliance shall be issued with a document of compliance by the Principal Officer as prescribed in the Second Schedule.

(3) Such certificate of compliance shall be in force for a period of 5 years from the date of issue or such short period as specified in the certificate.

10. Classification, identification and documentation.—(1) For the purpose of these rules dangerous goods shall be classed as follows :—

Class 1—Explosives

Class 2—Gases : compressed, liquified or dissolved under pressure

Class 3—Flammable/liquids.

Class 4—Flammable/solids.

Class 4.2—Substances liable to spontaneous combustion.

Class 4.3—Substances which, in contact with water emit flammable gases.

Class 5.1—Oxidizing substances.

Class 5.2—Organic Peroxides.

Class 6.1—Poisonous (toxic) substances.

Class 6.2—Infectious substances.

Class 7—Radioactive materials.

Class 8—Corrosives.

Class 9—Miscellaneous dangerous substance, that in any other substance which experience has shown, or may show, to be of such a dangerous character that the provisions of this part shall apply to it.

(2) In all documents relating to the carriage of dangerous goods by sea where the goods are named, the correct technical

name of the goods and the U. N. number allotted to it in the IMDG code shall be used (trade names alone shall not be used) and the correct description given in accordance with the classification set out in sub-rule (1). In case of harmful substances identified as marine pollutant the document shall further identify the substance by the addition of words "marine pollutant".

(3) The shipping documents prepared by the shipper shall include, or be accompanied by, a signed declaration on a form specified in the Third Schedule, indicating that the shipment offered for carriage is properly packaged and marked, labelled or placarded, as appropriate, and in proper condition for carriage, and where applicable, to minimise the hazard to the marine environment.

(4) The persons responsible for the packing of dangerous goods in a freight container or road vehicle shall provide a signed container packing declaration or vehicle packing declaration stating that the cargo in the unit has been properly packed and secured and that all applicable transport requirements (3) or where a container packing certificate or vehicle packing declaration is not available, the freight container or vehicle shall not be accepted for shipment.

(5) Where there is due cause to suspect that is freight container or road vehicle in which dangerous goods are packed is not in compliance with the requirements of sub-rule (2) or (3) or where a container packing certificate or vehicle packing declaration is not available, the freight container or vehicle shall not be accepted for shipment.

(6) Every ship carrying dangerous goods shall have a special list or manifest getting forth, the dangerous goods on board and the location thereof in accordance with the classification set out in sub-rule (1) of this rule. A detailed stowage plan, which identifies by class and sets out the location of all dangerous goods on board, may be used in place of such a special list or manifest. In either case clear distinction shall be made between harmful substances identified as marine pollutants and other dangerous goods. A copy of one of these documents shall be submitted before departure, to the Mercantile Marine Department in India or to the person or if any, organization designated by the port State authority in a port outside India.

11. Packaging, marking, labelling and placarding—(1) The packaging of dangerous goods shall be :

- (a) well made and in good condition ;
- (b) of such a character that any interior surface with which the contents may come in contact is not dangerous affected by the substance being conveyed ; and
- (c) capable of withstanding the ordinary risks of handling and carriage by men.

(2) Where the use of absorbent or cushioning material is customary in the packaging of liquids in receptacles, that material shall be :

- (a) capable of minimizing the dangers to which the liquid may give rise;
- (b) so disposed as to prevent movement and ensure that the receptacle remains surrounded; and
- (c) where reasonably possible, of sufficient quantity to absorb the liquid in the event of breakage of the receptacle.

(3) Receptacles containing dangerous liquids shall have an ullage at the filling temperature sufficient to allow for the highest temperature during the course of normal carriage.

(4) Package containing dangerous goods shall be durably marked with the correct technical name; trade names alone shall not be used.

(5) Packages containing dangerous goods shall be provided with distinctive labels or stencils of the labels, or placards as appropriate, so as to make clear the dangerous properties of the goods contained therein.

(6) The method of marking the correct technical name and of affixing labels or applying stencils of labels, or of affixing placards on package containing dangerous goods, shall be such that this information will still be identifiable on packages surviving at least three month's immersion in the sea. In considering suitable marking, labelling and placarding methods, account shall be taken of the durability of the materials used and of the surface of the package.

(7) Packages containing dangerous goods shall be marked and labelled as specified in this rule provided that the Nautical Adviser may exempt the following from marking requirement :

1. package containing dangerous goods of a low degree of hazard or packages containing small quantities of dangerous goods or,
2. packages that are stowed and handled in units that are identified by labels or placards.

(8) Stowage requirements—(1) Dangerous goods shall be stowed safely and appropriately in accordance with the nature of the goods. Incompatible goods shall be aggregated from one another.

(2) Explosives (except ammunition) which present a serious risk shall be stowed in a magazine which shall be kept securely closed while at sea. Such explosives shall be segregated from detonators. Electrical apparatus and cables in any compartment in which explosive are carried shall be so designed and used as to minimize the risk of fire or explosion.

(3) Dangerous goods in packaged form which give off dangerous vapours shall be stowed in a mechanically ventilated space or on deck. Dangerous goods in solid form in bulk which give off dangerous vapours shall be stowed in well ventilated spaces.

(4) In ships carrying flammable liquids or gases special precautions shall be taken where necessary against fire or explosion.

(5) Substance which are liable to spontaneous heating or combustion shall not be carried unless adequate precautions have been taken to minimize the likelihood of the outbreak of fire.

(6) Harmful substances identified as marine pollutants shall be properly stowed and secured so as to minimize the hazards to the marine environment. Jettisoning or any such substances in packaged form and washing overboard of any leakage of such substance is prohibited except where necessary for the purpose of securing the safety of the ship or saving life at sea.

13. Carriage of explosives.—(1) Divisions of explosives and compatibility groups specified in this rule have the same meaning as those specified in IMDG code.

(2) Explosives in division 1.4 of the IMDG code, and the compatibility group may be carried in any amount in passenger ships. No other explosives shall be carried except any one of the following :

- (i) explosive articles for life-saving purpose, if the total net explosives mass of such articles does not exceed 50% per ship; or
- (ii) explosives in compatibility groups C, D and E, if the total net explosives mass does not exceed 10 per cent per ship; or
- (iii) explosive articles in compatibility group O other than those requiring special stowage, if the total net explosives mass does not exceed 10% per ship; or
- (iv) explosive articles in compatibility group B, if the total net explosives mass does not exceed 5% per ship.

(3) Notwithstanding the provisions of sub-rule (2) of this rule additional quantities or types of explosives may be carried in passenger ships in which special safety measures approved by the Nautical Adviser are taken.

14. Carriage of solid bulk cargoes other than grain.—(1) Every ship loading solid bulk cargoes other than grain shall

comply with the general requirements of the EC code and the particular requirement or precautions specified in appendix A, B, and C of that code.

(2) Bulk cargoes shall be loaded and trimmed reasonably level, as necessary, to the boundaries of the cargo space as to minimise the risk of shifting and to maintain adequate stability throughout the voyage.

(3) When bulk cargoes are carried in "tween-docks" the hatchways of such "tween-docks" shall be closed in those cases where the loading information indicates an unacceptable level of stress on the bottom structure if the hatchways are left open. The cargo shall be trimmed reasonably level and shall either extend from side to side or be secured by additional longitudinal divisions of sufficient strength. The safe load-carrying capacity of the "tween-docks" shall be observed to ensure that the dock-structure is not overloaded.

(4) Concentrates or other cargoes which may liquify shall only be accepted for loading when the actual moisture content of the cargo is less than its transportable moisture limit;

Provided that such concentrates and other cargoes may be accepted for loading even when their moisture content exceeds the above limit, where the safety arrangements including adequate stability in case of an assumed shift of cargo and adequate structural integrity are to the satisfaction of the Nautical Advisor.

(5) Prior to loading a bulk cargo which is not a cargo classified in accordance with the provisions of sub-rule (1) of rule 10 but which has chemical properties that may create a potential hazard, special precautions for its safe carriage shall be taken.

(6) Every ship carrying cargoes specified in Appendices A, B, and C of B.C. Code shall be issued with a certificate of compliance as specified in the Second Schedule. Such certificate shall be issued only after such ship complies with the requirements of these rules and the Code of safe Practice for Solid Bulk Cargoes (B.C. code).

(7) Such certificate of compliance referred to in Sub-rule.

(8) shall be in force for a period of 5 years from date of issue or such short period as specified in the certificate.

15. Carriage of deck cargoes including timber deck cargo:—

(1) When cargoes are carried on deck the master shall comply with the provisions of rule 6 of these rules.

(2) Every vessel carrying timber deck cargo shall comply with the provisions of the timber code and the requirements of part V of Merchant Shipping (Load Line) Rules, 1978.

PART IV

16. Application.—This part applies to carriage of grain in bulk.

17. Carriage of grain.—(1) Every ship carrying grain shall comply with the requirement of grain code.

(2) Every such ship shall not load grain unless :

(a) The ship holds a document of authorisation as required by the grain code duly issued by the chief surveyor.

(b) The Master of such ship satisfies the Chief Surveyor or any other authority at the port of loading authorised by the Chief Surveyor that the ship shall comply with the requirements of the grain code in its proposed loading condition.

PART V

18. Application.—This part applies to carriage of :

(a) liquified gases, and

(b) dangerous or noxious liquid substances in bulk.

19. Carriage of dangerous liquid chemicals in bulk (1) Dangerous or noxious liquid substances in bulk shall be carried in accordance to the requirements of :

(a) The IBC code for chemicals tankers constructed on or after 1st July, 1986 ; or

(b) the Code for the Construction and Equipment of ships carrying Dangerous Chemicals in Bulk (BCH) code for all other chemical tankers.

(2) Every chemical tanker, irrespective of the date of construction, which is converted or adopted for carriage of dangerous or noxious liquid substances shall be treated as a chemical tanker constructed on the date on which such conversion commenced.

(3) Every chemical tanker, in addition to the certificates specified in Sections 299A, 300, 301 and 316 of the Act shall be issued with :

(a) International certificate of fitness for the carriage of dangerous chemicals in bulk specified in the Fourth Schedule after such chemical tanker has undergone surveys as specified in the International Code for the Construction and Equipment of ships carrying Dangerous Chemicals in Bulk (IBC) code ; or

(b) a certificate of fitness for the carriage of dangerous chemicals in bulk as specified in the Fifth Schedule after such chemical tanker has undergone surveys as specified in the Code for the Construction and Equipment of ships carrying Dangerous Chemicals in Bulk (BCH) code.

(4) Certificate of fitness referred to in sub-rule (3) shall be in force for a period of five years from date of issue or for such shorter period as specified in the certificate.

20. Carriage of liquified gases in bulk : (1) Dangerous or noxious liquid substances in bulk shall be carried in accordance to the requirements of :

(a) the IGC code for chemical tankers constructed on or after 1st July, 1986, or

(b) the gas code for all other chemical tankers.

(2) Every gas carrier, irrespective of the date of construction, which is converted or adopted for carriage of liquified gas shall be treated as a gas carrier constructed on the date on which such conversion commenced.

(3) Every gas carrier, in addition to the certificates specified in sections 299A, 300, 301, and 316 of the Act shall be issued with :

(a) International certificate of fitness for the carriage of liquified gases in bulk as specified in the Sixth Schedule after such gas carrier has undergone surveys as specified in the IGC code ; or

(b) A Certificate of fitness for the carriage of liquified gases in bulk as specified in the Seventh Schedule after such gas carrier has undergone surveys as specified in the gas code.

(4) Every certificate of fitness referred to in sub-rule (3) shall be in force for a period of five years from the date of issue or for such shorter periods as may be specified in the certificate.

PART VI

MISCELLANEOUS

21. (1) The Director General may request the Government of a country to which the safety convention applies to issue an appropriate certificate of fitness specified in these rules. A certificate issued in pursuance of such a request and containing a statement that it has been so issued on behalf of the Government of India shall have the same effect as one issued by the Central Government.

(2) The Director General may, at the request of the Government of a country to which the safety Convention applies cause an appropriate certificate of fitness to be issued in respect of a ship registered in that country, if it is satisfied that as in the case of an Indian ship that such a certificate can appropriately be issued and where a certificate is issued at such request it shall contain a statement that it has been so issued.

22. (1) The Director General may in addition to the surveyors appointed under section 7 of the Act authorise any person or a body of persons in any port hereinafter called a surveyor, to inspect for the purpose of seeing that the dangerous cargoes are labelled, packed, marked and loaded in compliance with these rules.

(2) If such surveyor finds that the dangerous cargoes are not labelled, packaged, marked or loaded in compliance with these rules or that the dangerous goods are in such conditions that the safety of ship and lives on board are likely to be adversely affected, he shall issue a notice pointing out the deficiencies and also pointed out what in his opinion is requisite to remedy the same.

(3) Every such notice shall be communicated to the Custom Collector at the port from which the ship may seek to obtain port clearance. No Custom Collector to whom such communication is made, shall grant such ship a port clearance. The ship shall be detained until a certificate signed by such surveyor is produced to the effect that the dangerous cargo is labelled, packaged, marked and loaded in compliance with these rules.

23. Penalties.—Every owner, Master or Agent of a ship who :

- (a) contravenes any provision of these rules relating to carriage of dangerous goods or fails to comply with any provisions thereof which it is his duty to comply shall be punishable with imprisonment which may extend to two years or with fine which may extend to ten thousand Rupees or with both and if the offence is a continuing one with further fine which may extend to fifty rupees for every day after the first during which the contravention continues.
- (b) Every Owner, Master or Agent of a ship who to one thousand rupees and if the offence is a continuing one with further fine which may extend to fifty rupees for every day after the first during which the breach continues.

FIRST SCHEDULE

[See rule 9(2)]

Special fire protection requirements for ships carrying dangerous goods.

1.0 The following requirements are additional to the requirements specified in Merchant Shipping (Fire Appliances) Rules, 1990, (hereinafter specified as "FFA Rules").

1.1 Table I and Table II annexed hereto are applicable to the following ship types.

1. Ship and cargo spaces not specifically designed for the carriage of freight containers but intended for the carriage of dangerous goods in packaged form including goods in freight containers and portable tanks.
2. Purpose built container ships and cargo spaces intended for the carriage of dangerous goods in freight containers and portable tanks.
3. Ro/ro ships and ro/ro cargo spaces intended for the carriage of dangerous goods.
4. Ships and cargo spaces intended for the carriage of solid dangerous goods in bulk.
5. Ships and cargo spaces intended for carriage of dangerous goods other than liquids and gases in bulk in shipborne barges.

3106 GI/95—4

2.0 Special requirements : The following requirements shall be complied with to stowage of dangerous goods both "on deck" and "under deck". Tables I, II, III indicate this requirements by the sub-paragraphs numbers. Whenever "X" appears in the tables applicability of the relevant sub-paragraph is indicated against ship types as specified in para 1.1 and/or class of dangerous goods specified in rule 10 of these rules.

1. Water Supply

1.1 Arrangements shall be made to ensure immediate availability of a supply of water from the fire main at the required pressure either by permanent pressurisation or by suitably placed remote starting arrangements for the fire pumps.

The quantity of water delivered shall be capable of supplying four nozzles of a size and at pressure as specified in FFA Rules, capable of being trained on any part of the cargo space when empty.

Means of effectively cooling the designated under dock cargo space by copious quantities of water, either by a fixed arrangements of spraying nozzles, or flooding the cargo space with water, shall be provided. Hoses may be used for this purpose in small cargo spaces and in small areas of larger cargo spaces. In any event the drainage and pumping arrangements shall be such as to prevent the build up of free surfaces. If this is not possible the adverse effect upon stability of the added weight and free surface of water shall be taken into account to the extent deemed necessary in the approved stability information.

Provision to flood as designated under dock cargo space with suitable specified medical may be substituted for the requirements in paragraph 1.1.3.

Sources of ignition

Electrical equipments and wiring shall not be fitted in enclosed cargoes spaces, closed vehicle deck spaces, or open vehicle deck space unless it is essential for operational purposes in the opinion of the chief surveyor. However, if electrical equipments is fitted in such spaces, it shall be of a certified safe type for use in the dangerous environments to which it may be exposed unless it is possible to completely isolate the electrical system (by removal of links in the system other than fuses). Cable penetrations of the decks and bulkheads shall be sealed against the passage of gas or vapour. Through runs of cables and cables within the cargo spaces shall be protected against damage from impact. Any other equipment which may constitute a source of ignition of flammable vapour shall not be permitted.

Detection system

An approved fire detection and fire alarm system shall be fitted to all enclosed cargo spaces including closed vehicle deck spaces. Where the detection system utilises samples of atmosphere drawn from such cargo spaces provisions shall be made to prevent, in the event of cargo leakage, the discharge of contaminated atmosphere through the sampling system into the space in which the detection apparatus is situated. A notice stating that the sampler shall be discharged to the open air when cargoes giving off toxic fumes are being carried shall be permanently exhibited at the equipment.

Ventilation

Adequate power ventilation shall be provided in enclosed cargo spaces. The arrangement shall be such as to provide for at least six air changes per hour in the cargo space based on an empty cargo space and for removal of vapour from the upper or lower parts of the cargo space, as appropriate.

The fans shall be such as to avoid the possibility of ignition of flammable gas air mixtures. Suitable wire

mesh guards shall be fitted over inlet and outlet ventilation openings.

Bilge pumping

Where it is intended to carry flammable or toxic liquids in enclosed cargo spaces the bilges pumping system shall be designed to ensure against inadvertent pumping of such liquids through machinery space piping or pumps. Where large quantities of such liquids are carried, consideration shall be given to the provisions of additional means of draining those cargo spaces. These means shall be to the satisfaction of the Chief Surveyor.

Personnel protection

Four sets of full protective clothing resistant to chemical attack shall be provided in addition to the firemen's outfits required by Fire Fighting Appliances rule. The protective clothing shall cover all skin, so that no part of the body is unprotected.

At least two self-contained breaching apparatuses in addition to these required by Fire Fighting Appliances rules shall be provided.

Portable fire extinguishers

Portable fire extinguishers with a total capacity of at least 12% of dry power or equivalent shall be provided for the cargo spaces. These extinguishers shall be in addition to any portable fire extinguishers required under FFA rules.

Insulation of machinery space boundaries

Bulkheads forming boundaries between cargo spaces and machinery spaces of category A shall be insulated to "A-60" standards, unless the dangerous goods are stowed at least 3 m horizontally away from such bulkheads, other boundaries between such spaces shall be insulated "A-60" standard.

Water spray system

Each open ro/ro cargo space having a deck above it and each space deemed to be a closed ro/ro cargo space not capable of being sealed shall be fitted with an approved fixed pressure water-spraying system for manual operation which shall protect all parts of any deck and vehicle platform in such space, except that the Chief Surveyor may permit the use of any other fixed fire-extinguishing system that has been shown by full scale test to be no less effective. In any event the drainage and pumping arrangements shall be such as to prevent the build-up of free surfaces. If this is not possible the adverse effect upon stability of the added weight and free surface of water shall be taken into account to the extent deemed necessary.

SECOND SCHEDULE

[See Rule 9(3), 14(6)]

CERTIFICATE OF COMPLIANCE FOR THE CARRIAGE OF DANGEROUS GOODS

(Issued in pursuance of the provisions of paragraph 3 of regulation 54 of Chapter 11-2 of 1981 Amendment to the International Convention for Safety of Life at Sea, 1974.)

Name of Ship	Distinctive Number or Letters	Port of Registry	Gross Tonnage
--------------	----------------------------------	------------------	---------------

This is to Certify :

1. That the construction and equipment of the above-mentioned ship have been found to comply with the provisions of Regulation 54 of Chapter 11-2 of 1981 Amendments to the International Convention for the Safety of Life at Sea, 1974.
2. That the ship is suitable for carrying dangerous goods as specified on page 2.
3. In respect of dangerous solid bulk cargoes, the cargo list also includes cargoes designated class MHB in the code of safe Practice for Solid Bulk cargoes for which the vessel is suited.

This Certificate is valid until _____

issued at _____

(place of issue of certificate)

19_____

(Date of issue)

Principal Officer
Mercantile Marine Department

THIRD SCHEDULE

[Sec Rule 10(3)]

DANGEROUS GOODS DECLARATION

This form meets the requirements of SOLAS 74 Chapter VII regulation 5; MARPOL 73/78 ANNEX III, regulation 4 and the IMDG Code. General Introduction, Section 9

Shipper	1	Reference number (s)	2
Consignee	3	Carrier	4
	6		5

Containing packing certificate/vehicle declaration

Name/status, company/ organisation of signatory

DECLARATION

It is declared that the packing of the container/vehicle has been carried out in accordance with the general Instruction IMDG code, Paragraph 12.3.7 or 17.7.7

Signature on behalf of Packer

TO BE COMPLETED FOR SHIPMENTS IN CONTAINERS OR VEHICLES

Ship's name and Voyage No.	Port of loading	(Reserved for text, instructions or other matter)	7
----------------------------	-----------------	---	---

Port of discharge 8

Marks & Nos. II applicable identification or registration number(s) of the Unit.	Number and kind of packages, proper shipping name/correct technical name, IMO hazard class/division, UN number, packaging group, flash point (in C c.c) control and emergency temperature, identification of the goods as MARINE POLLUTANT, Ems No. and MFAG Table Nos.	Gross mass (—) net quantity mass	Goods delivered net Break bulk bulk cargo Utilised cargo Bulk packages Type of Unit (container trailer, tank Vehicle etc. Open Closed Insert 'X' in appropriate box (This column may be left apart from the heading in which case insert appropriate description)
Proprietary/trade names alone are not sufficient If applicable : (1) the word 'WASTE' should precede the name : (2) EMPTY UNCLEANED or RESIDUE LAST CONTAINED should be added (3) "LIMITED QUANTITY" should be added "When required in 9.3 of the general Introduction to the IMDG CODE when required			

ADDITIONAL INFORMATION

In certain circumstances special information/certificates are required. See IMDG Code, General Introduction, Paragraphs 9.7.1/9.7.2

Name/status/company/
organisation of
signatory

DECLARATION

PLACE AND DATE

I hereby declare that the contents of this consignment are fully and accurately described above by the correct technical name(s), proper shipping names (s) and are classified packaged, marked and labelled/placed and are in all respects in proper condition for transport according to the applicable international and national government regulations

Signature of shipper

FOURTH SCHEDULE

[See rule 19(3)(a)]

INTERNATIONAL CERTIFICATE OF FITNESS FOR THE CARRIAGE OF DANGEROUS
CHEMICALS IN BULK

Issued under the provisions of the

INTERNATIONAL CODE FOR CONSTRUCTION AND EQUIPMENT
OF SHIPS CARRYING DANGEROUS CHEMICALS IN BULK

[resolutions MBC.4 (48) and MSPC 19(22)]

Under the authority of the Government of India

by The Principal Officer, Mercantile Marine Dept.

Name of ship	Distinctive Number or Letters	Port of Registry	Gross Tonnage	Ship type (Code Paragraphs 2.1.22)
--------------	----------------------------------	---------------------	------------------	--

Date on which keel was laid or on which the ship was at a similar stage of construction or (in the case of a converted ship) date on which conversion to chemical tanker was commenced;

FIFTH SCHEDULE

[See rule 19(3)(b)]

CERTIFICATE OF FITNESS FOR THE CARRIAGE OF
DANGEROUS CHEMICALS IN BULK

Issued in pursuance of the

INTERNATIONAL MARITIME CONSULTATIVE ORGANISATION
CODE FOR THE CONSTRUCTION AND EQUIPMENT OF SHIPS
CARRYING DANGEROUS CHEMICALS BULK

Under the authority of the Government of India

(full official designation of country)

by The Principal Officer, Mercantile Marine Dept.

Name of Ship	Distinctive Number or Letters	Port of Registry	Gross Tonnage	Ship type (Code Paragraphs 2.2.4)
--------------	----------------------------------	---------------------	------------------	---

Date on which keel was laid or in the case of a converted ship date of conversion to Chemical tanker commenced

5. This certificate will remain in force, unless previously cancelled, until the _____ day of _____ 19____
 Issued at _____ 19____
 (place of issue of certificate)

The undersigned declares that he is duly authorised by the said Government to issue this certificate.

Principal Officer.
 Mercantile Marine Dept.

Notes on completion of Certificate:

1. "Ship Type" Any entry under this column must relate to all relevant recommendations, e.g. an entry "Type II" should mean Type II in all respects prescribed by the Code. This column would not usually apply in the case of an existing ship and in such a case should be noted "See Paragraph 2(b)".
2. Paragraph 2 (ii)(b) : Insert 1.7.3(a), (b), (c), (d) according to the status of the ship in relation to the recommendations of this paragraph.
3. Paragraph 3, Only products listed in Chapter VI of the Code, or which have been evaluated by the Administration in accordance with paragraph 1.8 of the Code, should be listed. In respect of the letter "now" products, any special Requirements provisionally prescribed should be noted.

Periodical Surveys

This is to certify that at a periodical inspection required by paragraph 1.6 of the Code, this ship was found to comply with the relevant provisions of the code.

(a) Inspection related to the safety equipment provisions

Place _____ date _____

Signature and/or seal of issuing authority

Place _____ date _____

Signature and/or seal of issuing authority

Place _____ date _____

Signature and/or seal of issuing authority

Place _____ date _____

Signature and/or seal of issuing authority

Place _____ date _____

Signature and/or seal of issuing authority

(b) Inspection related to the constructional provisions

Place _____ date _____

Signature and/or seal of issuing authority

SIXTH SCHEDULE

[See rule 20(3)(a)]

INTERNATIONAL CERTIFICATE OF FITNESS FOR THE CARRIAGE OF
 LIQUEFIED GASES IN BULK

(Official seal)

ISSUED UNDER THE PROVISIONS OF THE
 INTERNATIONAL CODE FOR THE CONSTRUCTION AND EQUIPMENT
 OF SHIPS CARRYING LIQUEFIED GASES IN BULK

(Resolution M.S.C.5(48) and FKPC 19(22))

Under the authority of Government of India

by the PRINCIPAL OFFICER, MERCANTILE MARINE DEPARTMENT, BOMBAY

Name of Ships	Distinctive ship numbers	Port of Registry	Cargo Capacity (m ³)	Ship type (Section 2.1 of the code) V
---------------	--------------------------	------------------	----------------------------------	---------------------------------------

Date on which keel was laid or on which the ship was at a similar stage of construction or (in the case of converted ship) date on which conversion to a gas carrier was commenced

This ship complies fully with the following amendments to the Code.....

This ship is exempted from compliance with the following provisions of the code.....

THIS IS TO CERTIFY :

1. (1) That the ship has been surveyed in accordance with the provisions of Section 1.5 of the Code.
- (2) That the survey showed that the structure, equipment fittings, arrangements and material of the ship and the conditions thereof are in all respects satisfactory and that the ship complies with the relevant provision of the Code.
2. That the following design criteria have been used :
 - (1) ambient temperature..... °C° /
 - (2) ambient water temprature..... °C°/

Attachment

SURVEYS

This is to certify that at a survey required by section 1.6 of the code, this ship was found to comply with the relevant provisions of the Code.

Intermediate survey

Place.....

Date

Signature and seal of issuing authority

Place.....

Date

Signature and seal of issuing authority

Place.....

Date

Signature and seal of issuing authority

Place.....

Date

Signature and seal of issuing authority

Endorsements in accordance with paragraph 1.2.3 of the Code for Existing Ships Carrying Liquefied Gases in Bulk.

Attachment

THIS IS TO CERTIFY

1. That the above mentioned ship is
 - *(i) a ship as defined in 1.2.2 of the Code
 - *(ii) a ship as defined in 1.2.3 of the Code
2. (i) That the ship has been surveyed in accordance with the provisions of section 1.6 of the Code.
- (ii) That the survey showed that the structure, equipment, fittings, arrangements and materials of the ship and the conditions thereof are in all respects satisfactory and that the ship complies with the relevant provisions of the Code.

3. That the following design criteria have been used

- (a) ambient air temperature..... °C³/
 (b) ambient water temperature..... °C²/
 (c)

Tank type and number	Stress Factors /				Materials /	MARVA
	A	B	C	D		
Cargo piping						

N.B. Tank numbers referred to in this list are identified on the annexed signed and dated tank plan numbered 2A.

- (d) Mechanical proportion of the cargo tank material were determined at..... °C⁴ /

4. That the ship is suitable for the carriage in bulk of the following products, provided that all relevant operational provisions of the Code are observed, °S⁵/

Products	Conditions of carriage (tank numbers, minimum temperature maximum pressure, maximum density, tank loading conditions)

N.B. Continued on the annexed, signed and dated sheet (s) number 1A

N.B. Tank numbers referred to in this list are identified on the annexed signed and dated last plan numbered 2A.

*Delete as appropriate

Attachment

5. That in accordance with sections 1.5/2,7 the provisions of the Code are modified in respect of the ship in the following manner:

This certificate is valid until the.....date of.....19

Issued at19
 (Place of issue of certificate)

The undersigned declares that he is duly authorised by the said Government to issue their certificate.

(Signature of official issuing the
 certificate and/or seal of issuing
 authority)

(Seal or stamp of the issuing
 authority as appropriate)

Notes on completion of Certificate:

1. "Ship Type": Any entry under this column must relate to all relevant recommendations, e.g. an entry "Type IIG" should mean Type IIG in all respects prescribed by the Code.
2. Paragraph 3(a) and 3(b) : The ambient temperatures accepted or required by the Administration for the purposes of 4.5.1 of the Code to be inserted.

3. Paragraph 3(c): Stress factors and materials as accepted or required by the Administration for the purpose of 4.5.1(d)(i) and 4.5.1(e) of the Code to be inserted.
4. Paragraph 3(d) : Room temperature or other temperature accepted by the Administration for the purpose of 4.5.1(f) to be inserted.
5. Paragraph 4: Only products listed in Chapter XIX of the Code or which have been evaluated by the Administration in accordance with paragraph 1.7.2 of the Code, should be listed in respect of the latter "new" products, any special Requirements provisionally prescribed should be noted.

*Delete as appropriate

SEVENTH SCHEDULE

(See Rule 20 (3) (b))

CERTIFICATE OF FITNESS FOR THE CARRIAGE OF LIQUIFIED GASES IN BULK

(Official Seal)

Issued in pursuance of the

INTERNATIONAL MARITIME CONSULTATIVE ORGANISATION CODE FOR THE CONSTRUCTION AND EQUIPMENT OF SHIPS CARRYING LIQUIFIED GASES IN BULK

and International Maritime Consultative Organisation Resolution A. 329 (IX)

Under the authority of the Government of

REPUBLIC OF INDIA.....
(full official designation of the country)

by The Principal officer, Mercantile Marine Department.

Name of ship	Distinctive Number or letter	Port of Registry	Carto Capacity (m ³)	Ship Type (Section 2.5 of the code)
--------------	---------------------------------	------------------	-------------------------------------	--

Date of building or major conversion contract

Date on which keel was laid or ship was at a similar stage
of construction or on which major conversion was commenced

The certificate should be drawn up in the official language of the issuing country. If the language used is neither English nor French the next should include 3 translation into one of these languages

Continued list of products to those specified in Section 3 and their conditions of carriage

DATE.....
(as for Certification)

PRINCIPAL OFFICER
MERCANTILE MARINE DEPARTMENT,
BOMBAY

Tank type and number	Stress factors ⁽³⁾				Materials ⁽³⁾	MARVS
	A	V	C	D		

Cargo piping

N.B. Tank numbers referred to in this list are identified on attachment 2, signed and dated tank plan.

4. Mechanical properties of the cargo tank material were determined at.....°C⁴

3. That the ship is suitable for the carrying in bulk of the following products, provided that all relevant operational provisions of the code are observed. ⁽⁵⁾

Products	Conditions of carriage (tank numbers etc.)

Continued on attachment 1, additional signed and dated sheets.

Tank numbers referred to in this list are identified on attachment 2, signed and dated tank plan.

4. That in accordance with sections 1,4/2,8,2 the provisions of the Code are modified in respect of the ship in the following manner:

That the ship must be loaded.

*1 in accordance with the loading conditions provided in the approved loading manual, stamped and datedand signed by a responsible officer of the administration, or of an organization recognised by the administration:

*2 in accordance with the loading limitations appended to this certificate.

*Delete an appropriate

This certificate is valid until
issued at

(Place of issue of Certificate)

.....19
Date of issue

.....
PRINCIPAL OFFICER
MERCANTILE MARINE DEPARTMENT,
BOMBAY.

(Seal or Stamp of issuing authority, as appropriate)

Notes on completion of Certificate

- (1) "Ship type", Any entry under this column must be related to all relevant recommendations, e.g. an entry "type 20" should mean type 20 in all respects prescribed by the Code.
- (2) Paragraphs 2.1 and 2.2. The appoint temperatures accepted or required by the administration for the purposes of 1.8.1 of the Code to be inserted.
- (3) Paragraph 2.3. Stress factors and materials be accepted or required by the administration for the purposes of 4.5.1.4 and 4.5.1.6 of the Code to be inserted.
- (4) Paragraph 2.1, temperature accepted by the administration for the purposes of 4.5.1.7 to be inserted.
- (5) Paragraph 3. Only products listed in Chapter 19 of the Code or which have been evaluated by the Administration in accordance with paragraph 1.1.6 of the Code should be listed. In respect of the letter "new" products, any special requirements provisionally prescribed should be noted.

This is to certify that at a mandatory annual survey required by paragraph 1.5.2.1.4 of the International Code for the Construction and Equipment of Ships Carrying Liquefied Gases in Bulk, the ship was found to comply with the relevant provisions.

Signed:
(Signature of Authorised Official)

Place:
Date:
(Seal or stamp of the Authority, as appropriate)

Signed:
(Signature of Authorised Official)

Place:
Date:
(Seal or stamp of the Authority, as appropriate)

Signed:
(Signature of Authorised Official)

Place:
Date:
(Seal or stamp of the Authority, as appropriate)

Signed:
(Signature of Authorised Official)

Place:
Date:
(Seal or stamp of the Authority, as appropriate)

NOTE: An intermediate survey may take the place of a mandatory annual survey where the relevant provisions of 1.5.2.1.3 and 1.5.2.1.4 are complied with.

Annual Surveys due on ± 3 months.

Intermediate Survey due on ± 6 months.

This is to certify that at intermediate survey required by 1.5.2.1.3 of the International Code for the Construction and Equipment of ships Carrying Liquified Gases in Bulk, the ship was found to comply with the relevant provisions of the Code.

Signed
(Signature of Authorised Official)

Place:

Date:.....

(Seal or stamp of the Authority, as appropriate)

Annual Surveys due on..... ± 3 months.

Intermediate Survey due on..... ± 6 months.

[F. No. SR-11013/7/93-MA]

O.P. MAHEY, Under Secy.